My Notes…..

राष्ट्रीय

भारत की पहली वर्ल्ड हेरिटेज सिटी

गुजरात का अहमदाबाद सफाई के मामले में पहले भी चर्चा में रह चुका है और अब वैश्विक धरोहर का दर्जा भी मिल गया है। **यूनेस्को ने अहमदाबाद को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी घोषित किया है।** ये भारत के लिए गर्व की बात है क्योंकि इससे पहले भारत के कई शहरों की कई ऐतिहासिक इमारतों को हेरिटेज का दर्जा मिला हुआ है, लेकिन **किसी शहर को पहली बार ये सम्मान मिला है।** सबसे बड़ी बात ये है कि इस सूची में दिल्ली और मुंबई भी शामिल थी, लेकिन दिल्ली और मुंबई जैसी मॉर्डन सिटी को पीछे छोड़ अहमदाबाद आगे निकल गया है।

क्या है

1. यूनेस्को में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली रुचिरा कंबोज ने इसकी जानकारी दी और तस्वीर शेयर की। **अहमदाबाद को यूनेस्को द्वारा भारत का पहला वैश्विक धरोहर शहर का दर्जा दिया गया है। अहमदाबाद 600 साल पुराना शहर है।**
2. अहमदाबाद के चुनाव का तुर्क, लेबनान, ट्यूनिशिया, पेरु, कजाकिस्तान, पुर्तगाल, जमैका, विएतनाम, तंजानिया, फिनलैंड, अजरबैजान, जिमब्वॉब्वे, क्रोशिया, अंगोलम, क्यूबा, दक्षिण कोरिया और पोलैंड जैसे 20 देशों ने समर्थन किया था।
3. इस शहर में हर धर्म के लोग सौहार्द के साथ रहते हैं। हिंदू, मुस्लिम और जैन धर्मों के लोगों के एक साथ बसने, यहां के बेहतरीन आर्किटेक्चर की वजह से चुना गया है। ये शहर बहुत ही शांतिप्रिय है।
4. उदाहरण के लिए भद्रा गढ़ा, किले की दीवारें और उसके गेट, यहां कई मस्जिदें और मकबरें हैं, वहीं बाद के समय में बने कई हिंदू और जैन मंदिर भी यहां हैं।
5. **अहमदाबाद में 1915 से 1930 के दौरान महात्मा गांधी यहां कई जगह रहे थे**, वे स्थान यहां है।

क्या हैं विश्व धरोहर?

1. मानवता के लिये अत्यंत महत्त्व के स्थान, जिन्हें **आने वाली पीढ़ियों के लिये बचाकर रखना आवश्यक समझा जाता है,** उन्हें विश्व धरोहर के रूप में जाना जाता है।
2. ऐसे महत्त्वपूर्ण स्थलों के **संरक्षण की पहल यूनेस्को द्वारा की** जाती है।
3. विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर संरक्षण को लेकर एक **अंतर्राष्ट्रीय संधि 1972 में लागू की गई।**
4. विश्व धरोहर समिति इस संधि के तहत निम्न तीन श्रेणियों में आने वाली संपत्तियों को शामिल करती है:
5. **प्राकृतिक धरोहर स्थल:** ऐसी धरोहर जो भौतिक या भौगोलिक प्राकृतिक निर्माण का परिणाम या भौतिक और भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत सुंदर या वैज्ञानिक महत्त्व की जगह या भौतिक और भौगोलिक महत्त्व वाली जगह या किसी विलुप्ति के कगार पर खड़े जीव या वनस्पति का प्राकृतिक आवास हो सकती है।
6. **सांस्कृतिक धरोहर स्थल:** इस श्रेणी की धरोहरों में स्मारक, स्थापत्य की इमारतें, मूर्तिकारी, चित्रकारी, स्थापत्य की झलक वाले शिलालेख, गुफा आवास और वैश्विक महत्त्व वाले स्थान, इमारतों का समूह, अकेली इमारतें या आपस में संबद्ध इमारतों का समूह, स्थापत्य में किया मानव का काम या प्रकृति और मानव के संयुक्त प्रयास का प्रतिफल, जो कि ऐतिहासिक, सौंदर्य, जातीय, मानवविज्ञान या वैश्विक दृष्टि से महत्त्व की हो, शामिल की जाती हैं।
7. **मिश्रित धरोहर स्थल:** इस श्रेणी के अंतर्गत वह धरोहर स्थल आते हैं, जो प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों ही रूपों में महत्त्वपूर्ण होते हैं।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

UN में परमाणु हथियारों पर पूर्ण प्रतिबंध का प्रस्ताव पास

परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए **देशव्यापी समझौते को अपनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के 120 से अधिक देशों ने वोट किया** वहीं भारत व अन्य परमाणु हथियारों से लैस अन्य आठ देशों ने इसका बहिष्कार किया। बहिष्कार करने वाले देशों में **अमेरिका, चीन व पाकिस्तान** भी शामिल हैं। परमाणु हथियारों पर रोक वाले **इस समझौते पर पिछले 20 सालों से चर्चा की जा रही थी** जिसे कल 122 वोट के समर्थन के साथ स्वीकार किया गया **इसमें से एक नीदरलैंड्स के विरोध और दूसरा अनुपस्थित सिंगापुर के लिए** था। **रूस, अमेरिका, ब्रिटेन, भारत, चीन, फ्रांस, पाकिस्तान, इजरायल और उत्तरी कोरिया** ने इस समझौते का बहिष्कार किया।

क्या है

1. इस साल मार्च में परमाणु हथियारों पर रोक के लिए **कानूनी तौर पर बाध्यता पर मूल सत्र का आयोजन हुआ था।** पिछले साल के **अक्टूबर में 120 से अधिक देशों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में परमाणु हथियारों** को पूर्णत: समाप्त करने के लिए कांफ्रेंस के प्रस्ताव पर मंजूरी दी थी। भारत ने तब भी इस पर वोट नहीं किया था जिसका कारण भारत ने यह बताया कि वह इस कांफ्रेंस के प्रस्ताव पर सहमत नहीं और उसे नहीं लगता कि इस कांफ्रेंस के जरिए **अंतरराष्ट्रीय समुदाय को हल मिलेगा।**
2. **संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की अध्यक्षता कर रही एलेन गोम्ज ने इस मौके को ऐतिहासिक बताया।** 122 देशों ने जहां इसके समर्थन में मतदान किया, वहीं केवल नीदरलैंड्स ने इसका विरोध किया।
3. इस मौके पर सिंगापुर अनुपस्थित था। गोम्ज ने कहा, **परमाणु हथियारों से इस दुनिया को आजाद करने की दिशा में हमने आज पहला बीज बोया है।** हम आज अपने बच्चों से कह रहे हैं कि हां, परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया का सपना साकार हो सकता है। जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम हमले के बाद से दुनिया इस तरह के कानून का इंतजार कर रही थी।
4. संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के राजदूतों ने एक साझा बयान जारी कर कहा कि उनका देश कभी इस संधि का हिस्सा नहीं बनना चाहता। बयान में आगे कहा गया है, **'यह समझौता अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के पहलू को नजरअंदाज करती है।'**
5. नीदरलैंड्स के अलावा सभी NATO सदस्य देशों ने इस संधि का बहिष्कार किया। वहीं संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने भी इस समझौते का स्वागत किया और कहा कि यह महत्वपूर्ण कदम है।

भारत में हाईजैकिंग रोधी कानून लागू हुआ

देश का नया हाईजैकिंग रोधी कानून एक सरकारी अधिसूचना के बाद लागू हो गया है। यह कानून किसी व्यक्ति की मौत की स्थिति में मौत की सजा का प्रावधान करता है। **2016 हाईजैकिंग अधिनियम ने 1982 के कानून की जगह ली है।**

क्या है

1. **नए कानून में विमान में सवार सुरक्षाकर्मियों और ग्राउंड सपोर्ट स्टाफ की मौत के मामलों पर भी सजा का प्रावधान किया गया है,** जबकि पुराने कानून में चालक दल के सदस्य, यात्री और सुरक्षा कर्मी जैसे बंधकों की मौत की स्थिति में ही अपहरणकर्ताओं पर मुकदमा चल सकता था।
2. **नया कानून 5 जुलाई को अधिसूचित होने के बाद से ही प्रभावी हो गया है।** इसमें **अपहरण, अपहरण का प्रयास या इसकी धमकी देने जैसी गतिविधियों को अपराध की श्रेणी में लाया गया है।**
3. इसके अलावा इन गतिविधियों की साजिश में शामिल लोगों को भी इस कानून के तहत अपराध में शामिल माना जाएगा। नए कानून के तहत केंद्र सरकार के पास इससे जुड़े मामलों की जांच किसी केंद्रीय अधिकारी या एनआईए से कराने का अधिकार होगा।
4. **इससे पहले, नागरिक उड्डयन मंत्री अशोक गजपति राजू ने 17 दिसंबर 2014 को राज्यसभा में 1982 के एंटी हाइजैकिंग एक्ट को रद्द करते हुए नया बिल पेश किया था।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

5. कुछ दिनों बाद ही संसदीय पैनल को भेजा गया था। **इस पैनल ने इस संबंध में मार्च 2015 को अपनी रिपोर्ट दी थी।** इसके बाद 4 मई 2016 को यह बिल उच्च सदन में और 9 मई 2016 को लोकसभा में पास हो गया था।

गंगा यमुना को 'जीवित व्यक्ति' के दर्जे पर की रोक

गंगा यमुना नदियों को फिलहाल 'जीवित व्यक्ति' का दर्जा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 7 जुलाई को गंगा यमुना को **'जीवित व्यक्ति' का दर्जा देने के नैनीताल हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है।** इसके साथ ही कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार की याचिका पर नोटिस भी जारी किया है। **उत्तराखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर गंगा यमुना को जीवित व्यक्ति का दर्जा और कानूनी हक देने के हाईकोर्ट के गत 20 मार्च के आदेश को रद करने की मांग की है।** व्यवहारिक दिक्कतें गिनाते हुए प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से हाईकोर्ट के आदेश पर एकतरफा अंतरिम रोक लगाने की भी मांग की थी।

क्या है

1. वरिष्ठ वकील **गोपाल सुब्रमण्यम व फारुख रशीद** ने हाईकोर्ट के आदेश का विरोध करते हुए कहा कि हाईकोर्ट का आदेश बना रहने लायक नहीं है। **हाईकोर्ट ने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर आदेश पारित किया है।** हाईकोर्ट से ऐसी कोई मांग नहीं की गयी थी। उस याचिका में सिर्फ अवैध निर्माण हटवाने की मांग थी। सुप्रीम कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया।
2. प्रदेश सरकार ने याचिका में कहा है कि इस बात में तनिक भी संदेह नहीं है कि **भारत में गंगा, यमुना और उसकी सहयोगी नदियों का सामाजिक प्रभाव और महत्व है** और ये नदियां लोगों और प्रकृति को जीवन और सेहत देती हैं लेकिन सिर्फ समाज के विश्वास और आस्था को बनाए रखने के लिए **गंगा, यमुना को जीवित कानूनी व्यक्ति नहीं घोषित किया जा सकता।**
3. हाईकोर्ट ने आदेश पारित कर भूल की है। आदेश के संभावित परिणामों और दिक्कतों का जिक्र करते हुए सरकार ने कहा है कि **गंगा और यमुना अंतरराज्यीय नदियां है।**
4. **संविधान की सातवीं अनुसूची के आइटम 56 में अनुच्छेद 246 के मुताबिक अंतरराज्यीय नदियों के प्रबंधन पर नियम बनाने का अधिकार सिर्फ केंद्र को है।** ऐसे में उत्तराखंड राज्य गंगा, यमुना को जीवित व्यक्ति का दर्जा कैसे दे सकता है। किसी अन्य राज्य में इन नदियों के बारे में अगर कोई कानूनी मुद्दा उठता है तो क्या उत्तराखंड का मुख्य सचिव किसी और राज्य या केंद्र को निर्देश जारी कर सकता है।
5. नदियों को जीवित व्यक्ति का दर्जा देने से अगर उन नदियों से बाढ़ आदि आती है और नुकसान होता है तो वह व्यक्ति मुख्य सचिव के खिलाफ नुकसान की भरपाई का मुकदमा दाखिल कर सकता है क्या राज्य सरकार को ऐसा आर्थिक बोझ वहन करना चाहिए।
6. उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए गंगा और यमुना तथा उसकी सहयोगी नदियों को संरक्षित करने के लिए जीवित व्यक्ति का दर्जा दिया था। और इन नदियों को जीवित व्यक्ति के समान सभी कानूनी अधिकार दिये थे।
7. हाईकोर्ट ने नमामि गंगे के निदेशक, **उत्तराखंड के मुख्य सचिव व उत्तराखंड के एडवोकेट जनरल को इन नदियों का संरक्षक नियुक्त करते हुए उन पर नदियों के संरक्षण की जिम्मेदारी डाली थी।**

भारतीय वैज्ञानिकों ने खोजी नई गैलक्सी 'सरस्वती'

पहली बार भारत में वैज्ञानिकों की एक टीम ने आकाशगंगाओं का एक बड़ा समूह खोजने का दावा किया है जिसे सुपरक्लस्टर भी कहा जाता है। यह गैलक्सी पृथ्वी से **400 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर** बताई जा रही है और इसका आकार **200 लाख अरब सूरजों के बराबर बताया जा रहा है। इस गैलक्सी को वैज्ञानिकों ने 'सरस्वती' नाम दिया है।**

क्या है

1. वैज्ञानिकों के मुताबिक **यह आकाशगंगा लगभग 10 अरब साल पुरानी है।** इन वैज्ञानिकों का दावा है कि यह **अब तक ज्ञात सबसे बड़ी गैलक्सी है।**

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

2. इस ग्रुप में **पुणे के इंटरयूनिवर्सटी सेंटर फॉर एस्ट्रॉनोमी ऐंड एस्ट्रोफिजिक्स और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च के वैज्ञानिक शामिल थे।**
3. इस संस्थान के वैज्ञानिक **पिछले वर्ष गुरुत्वाकर्षीय तरंगों की बड़ी खोज में भी शामिल थे।**
4. साइंटिस्ट्स के मुताबिक यह गैलक्सी काफी चमकदार है। बता दें कि **एक क्लस्टर में लगभग 1000 से 10,000 गैलेक्सी होती हैं। एक सुपरक्लस्टर में 40 से 43 क्लस्टर शामिल होते हैं।**

बर्ड फ्लू से मुक्त हुआ भारत

दुनिया भर में **बर्ड फ्लू के नाम से जाना जाने वाला खतरनाक एवियन इन्फ्लूएंजा (H5N8 और H5N1) वायरस** से भारत मुक्त हो गया है। **वर्ल्ड ऑर्ग्नाइजेशन फॉर एनिमल हेल्थ** ने घोषणा की है कि 6 जून को भारत खतरनाक एवियन इन्फ्लूएंजा (H5N8 और H5N1) वायरस से मुक्त हो गया है।

क्या है बर्ड फ्लू

1. **एवियन इन्फ्लूएंजा (H5N1) बर्ड फ्लू नाम** से जाना जाने वाला **वायरस खतरनाक वायरल संक्रमण इंसानों और पक्षियों को अधिक प्रभावित करता है।**
2. बर्ड फ्लू इंफेक्शन चिकन, टर्की, गीस और बतख की प्रजाति जैसे पक्षियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है।
3. **सबसे ज्यादा पॉपुलर बर्ड फ्लू वायरस एच5 एन1** है जिससे कि इंसान की और पक्षियों की मौत हो जाती है।
4. बर्ड फ्लू **इंसानों के लिए भी घातक** है लेकिन ये बीमारी संक्रमित मुर्गियों या अन्य पक्षियों के बेहद निकट रहने से ही फैलती है।
5. इंसानों में एवियन इन्फ्लूएंजा (H5N1) वायरस उनकी आंखों, मुंह और नाक के जरिए फैलता है। समय पर उपचार न करने पर इस वायरस से इंसान के कई अंग फेल हो कर काम करना बंद कर देते हैं।

राज्यपाल कार्यालय आरटीआइ दायरे में क्यों नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि **राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का कार्यालय सूचना के अधिकार (आरटीआइ) कानून के तहत क्यों नहीं आ सकता। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा** और **न्यायमूर्ति अमिताव रॉय** की पीठ ने केंद्र की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह सवाल किया। **याचिका में 2011 के बांबे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट ने 2007 में गोवा की राजनीतिक स्थिति को लेकर राष्ट्रपति को भेजी गई राज्यपाल की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का आदेश दिया था।** तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष मनोहर पार्रीकर ने आरटीआइ के तहत यह जानकारी मांगी थी।

क्या है

1. केंद्र की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल रंजीत कुमार ने शीर्ष अदालत से कहा कि **ऐसी ही याचिका कोर्ट लंबित है जिसे मौजूदा याचिका के साथ जोड़ दिया जाए।**
2. याचिका में **देश के मुख्य न्यायाधीश की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग है जिसे संविधान पीठ के पास भेजा गया है।**
3. इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश की संपत्ति से जुड़ी सूचना को भी परदे नहीं रखा जाना चाहिए। उसने कहा कि मौजूदा याचिका को पूर्व की याचिका के साथ जोड़ने के लिए याचिकाकर्ता को मुख्य न्यायाधीश के पास जाना होगा। कोर्ट अब इस मामले अगस्त के तीसरे हफ्ते में सुनवाई करेगा।
4. इससे पहले इस मामले में हस्तक्षेपकर्ता की तरफ से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि **राज्यपाल की रिपोर्ट को आरटीआइ कानून के दायरे में लाना चाहिए।** राज्यपाल के प्रधान सूचना अधिकारी (पीआइओ) ने पर्रीकर के आवेदन को खारिज कर जानकारी देने से मना कर दिया था।

मालाबार 2017 शुरू

विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी के बीच **भारत, अमेरिका और जापान की नौसेनाओं की संलिप्तता वाला मालाबार नौसैन्य अभ्यास बंगाल की खाड़ी में शुरु हो गया है।** यूएस रियर एडमिरल

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

डब्ल्यूडी ने बताया कि **इस युद्धाभ्यास में 75 एयरक्राफ्ट शामिल हुए हैं।** उम्मीद है कि समुद्री राष्ट्र इस युद्धाभ्यास को देख रहे होंगे।

क्या है

1. इस सालाना अभ्यास में बड़ी संख्या में **तीनों देशों के विमान, नौसना की परमाणु पनडुब्बियां और नौसैन्य पोत शामिल हुए हैं।**
2. यह अभ्यास ऐसे समय हो रहा है जब सिक्किम क्षेत्र में भारत एवं चीन की सेनाओं के बीच बड़ा सैन्य गतिरोध पैदा हो गया है और दक्षिण चीन सागर में बीजिंग अपनी नौसैन्य मौजूदगी को बढ़ा रहा है। मालाबार सैन्य अभ्यास का लक्ष्य सामरिक रूप से महत्वपूर्ण भारत प्रशांत क्षेत्र में तीनों नौसेनाओं के बीच गहरे सैन्य संबंध स्थापित करना है।
3. **भारत और अमेरिका साल 1992 के बाद से नियमित रूप से सालाना अभ्यास कर रहे हैं।** बीजिंग मालाबार अभ्यास के मकसद को संदेह की नजर से देखता है क्योंकि उसे लगता है कि यह अभ्यास भारत प्रशांत क्षेत्र में उसके प्रभाव को रोकने की कोशिश है।
4. इस अभ्यास में समुद्री गश्त एवं टोह अभियान, सतह एवं पनडुब्बी रोधी युद्ध जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। इसमें चिकित्सकीय अभियान, नुकसान को नियंत्रित करना, विशेष बल अभियान, विस्फोटक आयुध निपटान और हेलीकॉप्टर अभियान भी शामिल होंगे।
5. **यह अभ्यास 10 जुलाई से लेकर 17 जुलाई तक चलेगा।** इस युद्धाभ्यास में भारत-अमेरिका-जापान की नौसेना शामिल हैं। चेन्नई तट से लेकर बंगाल की खाड़ी तक ये युद्धाभ्यास होगी, जिसमें 20 जंगी जहाज, दर्जनों फाइटर जेट्स, 2 सबमरीन, टोही विमान शामिल होंगे।
6. भारत की ओर से इस अभ्यास का सबसे बड़ा आकर्षण होगा एयरक्राफ्ट कैरियर आइएनएस विक्रमादित्य, 2013 में नेवी शामिल किए जाने के बाद मिग-29 फाइटर जेट्स से लैस आईएनएस विक्रमादित्य इस तरह के पूर्ण सैन्य अभ्यास में पहली बार शामिल हो रहा है।

संवैधानिक बेंच द्वारा आधार होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि **आधार से जुड़े सभी मुद्दों पर बड़ी पीठ से फैसला होना चाहिए।** इसके लिए **सात या नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के गठन का निर्णय मुख्य न्यायाधीश लेंगे।** न्यायमूर्ति जे. चेलमेश्वर, न्यायमूर्ति एएम खानविलकर और न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा की पीठ ने कहा कि **एक बार मामला संविधान पीठ के पास भेज दिया गया तो इससे जुड़े सभी मुद्दों पर संविधान पीठ से फैसला होना चाहिए।**

क्या है

1. कोर्ट ने **अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल और वरिष्ठ वकील श्याम दीवान** से बड़ी पीठ के गठन के लिए मामले को मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर के पास ले जाने को कहा।
2. **दीवान सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार अनिवार्य करने खिलाफ याचिका दाखिल करने वालों की तरफ से पेश हुए।**
3. **न्यायमूर्ति चेलमेश्वर** ने वेणुगोपाल से पूछा कि क्या आपको ऐसा नहीं लगता कि मामले को हमेशा के लिए निपटाया जाए। इस पर वेणुगोपाल ने सुझाव से सहमति जताई और मामले की सुनवाई के लिए जल्द तारीख देने का आग्रह किया।
4. इससे पहले **27 जून को शीर्ष अदालत ने सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार अनिवार्य करने की केंद्र की अधिसूचना के खिलाफ अंतरिम आदेश पारित करने से इन्कार कर दिया था।** कोर्ट अधिसूचना को चुनौती देने वाली तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।

मिशन परिवार विकास

'मिशन परिवार विकास उच्च टीएफआर वाले के सात राज्यों के 146 उच्च प्रजनन वाले जिलों पर ध्यान केन्द्रित करेगा। इसके तहत बेहतर सेवापूर्ति के जरिये जनसंख्या स्थिर करने के लिए विशेष लक्ष्य आधारित कदम उठाये जायेंगे।' यह बात केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जे पी नड्डा ने विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) के

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

अवसर पर **जनसंख्या स्थिरता कोष (जेएसके)** द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल** भी उपस्थित थीं।

क्या है

1. **मिशन परिवार विकास मंत्रालय की नई पहल है,** जिसके तहत सेवाओं के प्रावधान, प्रोत्साहन योजनाओं, वस्तु सुरक्षा, क्षमता बढ़ाना, सुलभ वातावरण और गहन निगरानी के जरिये बेहतर पहुंच पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।
2. श्री जे पी नड्डा ने **'अंतरा' कार्यक्रम के अन्तर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में नए इंजेक्शन को शामिल किया** और **नए सॉफ्टवेयर-परिवार नियोजन तार्किक प्रबन्धन सूचना प्रणाली (एफपी-एलएमआईएस)** का शुभारंभ किया।
3. यह **सॉफ्टवेयर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को सुदृढ करने के लिए स्वास्थ्य सुविधा** और आशा केन्द्रों में निरोधकों की मांग और वितरण के बारे में पूरी जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।
4. **परिवार नियोजन पर नई उपभोक्ता अनुकूल वेबसाइट और 52 सप्ताह के रेडियो कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया।** रेडियो कार्यक्रम में विवाह और परिवार नियोजन से संबंधित मुद्दों पर दम्पत्ति चर्चा करेंगे, जिसे देशभर में प्रसारित किया जाएगा।
5. स्वास्थ्य मंत्री ने मंत्रालय के जीवन चक्र के दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला और कहा कि मंत्रालय ने प्रजननशील मातृ, नवजात शिशु, बाल और किशोरावस्था स्वास्थ्य (आरएमएनसीएच + ए) के लिए सामरिक दृष्टिकोण के साथ देखभाल जारी रखने पर ध्यान केंद्रित किया है।
6. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि **सतत विकास पर जनसंख्या गतिशीलता का काफी प्रभाव पड़ता है।**
7. जनसंख्या वृद्धि दर और आयु संरचना में परिवर्तन राष्ट्रीय और वैश्विक विकास संबंधी चुनौतियों और उनके समाधान से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या स्थिरीकरण इतना बड़ा मुद्दा है कि अकेले सरकार इसे हल नहीं कर सकती इसलिये गैर सरकारी संगठनों, निजी तथा कॉर्पोरेट क्षेत्र को महत्वपूर्ण सामूहिक भागीदारी की भूमिका निभानी चाहिये।
8. परिवार स्थिरीकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए जनसंख्या स्थिरता कोष द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतिस्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए।
9. इस कार्यक्रम में अपर सचिव और महानिदेशक श्री आर के वत्स, संयुक्त सचिव, प्रजनन बाल स्वास्थ्य देखभाल श्रीमती वंदना गुरनानी और जनसंख्या स्थिरता कोष की कार्यकारी निदेशक श्रीमती नीति नाथ के अतिरिक्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पशु बिक्री अधिसूचना पर SC ने लगायी रोक

केंद्र सरकार द्वारा पशुओं के वध मामले में खरीदफरोख्त के लिए जारी की गयी अधिसूचना पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाते हुए कहा है कि जब तक इसके नियमों में बदलाव नहीं किया जाता यह लागू नहीं होगा साथ ही कोर्ट ने अधिसूचना के दोबारा जारी होने के बाद लोगों को पर्याप्त वक्त मुहैया कराने का भी आदेश दिया है।

क्या है

1. दूसरी ओर **अदालत में केंद्र सरकार ने कहा कि इन नियमों पर राज्य सरकारों द्वारा बताए गए सभी सुझाव व आपत्ति विचाराधीन हैं।** फिलहाल केंद्र सरकार की ओर से ये नियम लागू नहीं किए जाएंगे और इसके बदलाव में करीब तीन माह का समय लग जाएगा।
2. केंद्र सरकार ने आगे बताया कि राज्यों को पशुओं के लिए बाजारों की पहचान करने में तीन महीने का वक्त लगेगा और अगस्त के आखिर तक नियमों में बदलाव किया जाएगा।
3. सुप्रीम कोर्ट ने सारी याचिकाओं का निपटारा किया और कहा कि **जब नए नियम बनेंगे तो कोई भी कोर्ट में चुनौती दे सकता है।** केंद्र सरकार द्वारा पशुओं को वध के लिए बेचने ओर खरीदने को लेकर जारी अधिसूचना के विरोध में दायर याचिका अपना पक्ष रखा गया।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

4. केंद्र सरकार के इस नोटिफिकेशन का केरल समेत देश के कई राज्यों में विरोध किया गया है। केरल में तो विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में हिस्सा लेने से पहले विधायकों ने नाश्ते में गोमांस का सेवन कर विरोध जताया था।
5. **सुप्रीम कोर्ट ने पशु बाजार में वध के लिए मवेशियों को खरीदने और बचने पर रोक लगाने वाली अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया था।**
6. हैदराबाद निवासी याचिकाकर्ता ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी और कहा था कि **केंद्र का नोटिफिकेशन 'भेदभाव पूर्ण और असंवैधानिक' है क्योंकि यह मवेशी व्यापारियों के अधिकारों का हनन करता है।**
7. **याचिकाकर्ता मोहम्मद फहीम कुरैशी ने पशु क्रूरता रोकथाम (जब्त पशुओं की देखभाल तथा इलाज) कानून, 2017 को भी चुनौती दी है।** पेशे से वकील फहीम कुरैशी ने दलील दी है कि पशु क्रूरता रोकथाम (मवेशी बाजार विनियमन) कानून, 2017 तथा पशु क्रूरता रोकथाम (जब्त पशुओं की देखभाल तथा इलाज) कानून, 2017 मनमाना, अवैध तथा असंवैधानिक है।
8. **याचिकाकर्ता ने 23 मई को जारी दोनों अधिसूचनाओं के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती दी है।** फहीम कुरैशी ने उस नियम पर सवाल उठाया है, जिसमें कम उम्र के मवेशियों को तब तक बाजार में नहीं बेचा जा सकता, जबतक कि खरीदार एक हलफनामा भरे, जिसमें वह बताए कि वह एक किसान है, मवेशी का केवल कृषि उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल होगा और उसे छह महीनों तक नहीं बेचा जाएगा।

ओबीसी बिल को कमिटी की मंजूरी

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के लिए तैयार बिल पर विचार करने के लिए बनी **सिलेक्ट कमिटी** ने 3 जुलाई को प्रमुख प्रावधानों को अपनी मंजूरी दे दी। बैठक में हर प्रावधान पर चर्चा करने के बाद उसे मंजूरी दे दी गई। सूत्रों का कहना है कि **अब कमिटी का कामकाज लगभग पूरा हो चुका है** और उम्मीद है कि **अगली बैठक 14 जुलाई को होगी।**

क्या है

1. जिसमें कमिटी तैयार रिपोर्ट को अपनी मंजूरी देगी। इसके बाद इसे संसद सत्र शुरू होने के एक सप्ताह के भीतर ही इसे राज्यसभा में पेश किया जाएगा।
2. **इस बिल को लोकसभा ने पहले ही मंजूरी दे दी थी,** लेकिन **राज्यसभा ने इसे सिलेक्ट कमिटी को भेज दिया था।** भूपेन्द्र यादव की अगुवाई वाली इस कमिटी तभी से इस बिल के प्रावधानों पर विचार कर रही थी।
3. कमिटी को राज्यों से भी इस बिल को लेकर समर्थन मिला है। इस विधेयक के पारित होने के बाद देश की आबादी के एक बड़े वर्ग ओबीसी की डिमांड पूरी हो जाएंगी और इसका उसे भी राजनीतिक फायदा मिलेगा।

रेलवे की विभिन्न पहलों की शुरूआत

रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु ने रेलवे की निम्नलिखित पहलों की शुरूआत की है:- **रेल क्लाउड परियोजना, निवारण-शिकायत पोर्टल (रेल क्लाउड के बारे में पहला आईटी एप्लीकेशन),** रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए आपात स्थिति में **कैशलैस इलाज योजना (सीटीएसई),** पहला सीटीएसई कार्ड सौंपा। इस अवसर पर रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु ने कहा कि **समूची रेल प्रणाली को समन्वित डिजिटल मंच पर लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।** रेलवे के डिजिटलीकरण की दिशा में रेल क्लाउड एक अन्य कदम है। **रेल क्लाउड लोकप्रिय क्लाउड कम्प्यूटिंग प्रणाली पर कार्य करता है।** अधिकतर महत्वपूर्ण कार्य क्लाउड कम्प्यूटिंग के जरिए किए जाते हैं। इससे लागत कम होगी और सर्वर पर सुरक्षित आंकड़े सुनिश्चित हो सकेंगे। इसके साथ ही एक अन्य महत्वपूर्ण कदम आपात स्थिति में कैशलेस इलाज योजना है। लोगों का अनुमानित जीवन काल बढ़ने के कारण स्वास्थ्य संबंधित अनेक समस्याएं पैदा होती है इस योजना से रेलवे कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

रेल क्लाउड

1. **भारतीय रेलवे ने रणनीतिक आईटी पहल की है,** जिसका उद्देश्य ग्राहक की संतुष्टि में सुधार करना, राजस्व बढ़ाना और प्रभावी, कुशल और सुरक्षित संचालन करना है।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

2. रेलवे के लिए एकल डिजिटल मंच के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुछ मौलिक परियोजनाओं को लागू करना जरूरी था और **रेल क्लाउड की स्थापना इस तरह की परियोजना है।**
3. क्लाउड कम्प्यूटिंग तेजी से और मांग पर सर्वर संसाधनों को स्थापित करने के लिए उभरती हुई प्रौद्योगिकी है जिसके परिणामस्वरूप लागत कम होती है। तदानुसार रेल क्लाउड चरण-1 को 53.55 करोड़ रुपये की लागत पर मंजूरी दी गई।

रेल क्लाउड लागू होने के बाद रेलवे को होने वाले संभावित लाभ इस प्रकार है:-

1. **एप्लीकेशन का तेजी से और मांग पर फैलाव**- रेल क्लाउड एप्लीकेशन के तेजी से फैलाव (परम्परागत समय, सप्ताहों और महीनों की तुलना में 24 घंटे के भीतर) का मार्ग प्रशस्त करेगा, साथ ही क्लाउड हार्डवेयर और परिवेश नए एप्लीकेशन के परीक्षण के लिए उपलब्ध होगा।
2. **सर्वर और स्टोरेज का अधिकतम इस्तेमाल**- इस प्रौद्योगिकी से उपलब्ध सर्वर और स्टोरेज का अधिकतम इस्तेमाल हो सकेगा, जिसके परिणामस्वरूप उसी सर्वर की जगह पर अधिक आंकड़े और अधिक एप्लीकेशन समा सकेंगे।
3. **क्लाउड के हिस्से के रूप में वर्तमान बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल**- रेलवे के पास उपलब्ध वर्तमान संसाधनों को रेल क्लाउड में मिला दिया जाएगा, ताकि नए संसाधन प्राप्त करने में होने वाले खर्च को कम किया जा सके।
4. **त्वरित मापनीयता और लचीलापन**- सर्वर और स्टोरेज की जगह मांग के अनुसार ऊपर-नीचे होगी, इससे सिस्टम अधिक मांग वाले घंटों में कम खर्च के साथ मांग को पूरा कर सकेगा।
5. **आईटी सुरक्षा बढ़ाना और मानकीकरण**- यह क्लाउड सरकार के नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार सुरक्षा विशेषताओं से लैस होगा। सुरक्षा विशेषताओं को क्लाउड में मौजूद सभी एप्लीकेशनों के लिए अद्यतन किया जा सकता है इसके परिणामस्वरूप अधिक सुरक्षा और स्थिरता कम खर्च में मिल सकेगी।
6. **लागत में कमी**- सर्वर और स्टोरेज बुनियादी ढांचा जरूरत के अनुसार लगाया जाएगा, जिससे रेलवे की बचत होगी और जरूरत पड़ने पर मंहगे सर्वर की खरीद पर धनराशि खर्च करने की बजाए इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा।
7. **बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव**- क्लाउड में सर्वर के संसाधन उपयोगकर्ताओं की संख्या के अनुसार ऊपर-नीचे होते है इससे ग्राहकों को बेहतर अनुभव मिलेगा।
8. **निकट भविष्य में प्रबंधित नेटवर्क और वर्चुअल डेस्कटॉप इंटरफेस (वीडीआई) सेवाओं की योजना बनाई गई है** ताकि प्रत्येक रेल कर्मचारी को तेजी से और अधिक प्रभावी कार्य का माहौल दिया जा सके।
9. **निवारण**- शिकायत पोर्टल रेल क्लाउड पर पहला आईटी एप्लीकेशन
10. **निवारण**- शिकायत पोर्टल रेल क्लाउड पर पहला आईटी एप्लीकेशन है। यह वर्तमान और पूर्व रेलवे कर्मचारियों की शिकायतों के समाधान के लिए मंच है। वर्तमान एप्लीकेशन को परम्परागत सर्वर में डाला गया है। इससे राजस्व की बचत होगी और साथ ही उपयोगकर्ता को बेहतर अनुभव मिलेगा।

आपात स्थिति में कैशलैस इलाज योजना (सीटीएसई)

1. रेलवे स्वास्थ्य संस्थानों, रेफरल और मान्यता प्राप्त अस्पतालों के जरिए अपने **कर्मचारियों को विस्तृत स्वास्थ्य सेवा सुविधा प्रदान करती है।**
2. **लाभ लेने वालों में उसके सेवानिवृत्त कर्मचारी** और उनके परिवार के सदस्य होते है। बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त लाभार्थी विभिन्न शहरों के नव-विकसित उप-नगरों में रहते है।
3. शहर के यह **हिस्से अक्सर रेलवे स्वास्थ्य संस्थानों से दूर होते है आपात स्थिति में ऐसे लाभार्थियों के स्वर्णिम घंटे यात्रा में बर्बाद हो जाते है।**
4. **सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वर्णिम घंटे में तत्काल चिकित्सा प्रदान करने के लिए रेलवे बोर्ड ने अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए सूची में सम्मिलित अस्पतालों में आपात स्थिति में कैशलैस इलाज की योजना** शुरू की है।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

5. निजी अस्पतालों और रेलवे अधिकारियों के बीच एक वेब आधारित संचार प्रणाली विकसित की गई है जिसमें लाभार्थी की पहचान आधार सर्वर में दर्ज बायोमीट्रिक का इस्तेमाल करते हुए स्थापित की जाएगी, पात्रता रेलवे डेटाबेस का इस्तेमाल करते हुए पता लगाई जाएगी तथा आपात स्थिति की पुष्टि निजी अस्पताल की क्लिनिकल रिपोर्ट के आधार पर रेलवे चिकित्सा अधिकारी द्वारा की जाएगी। पूरी प्रणाली ऑनलाइन है और बिल भी ऑनलाइन तैयार होगा। इस योजना से जरूरत के समय सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों को मदद मिलेगी।
6. इस योजना से लाल फीताशाही को खत्म करने के लिए आईटी उपकरणों का इस्तेमाल और कैशलैस लेन-देन को बढ़ावा देने के सरकार के स्वीकृत उद्देश्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी।
7. वर्तमान में यह योजना चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में शुरू की गई है। इस शहरों के अनुभव के आधार पर इस योजना को पूरे देश में लागू किया जा सकता है।

यूएन ने कम किया शांतिरक्षक अभियानों का बजट

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) आमसभा ने शांतिरक्षक अभियानों के लिए बजट में कटौती का फैसला किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुआई में अमेरिकी प्रशासन लगातार बजट में कटौती के लिए दबाव बना रहा था। हालांकि अब भी कटौती ट्रंप प्रशासन की इच्छा के अनुरूप नहीं है।

क्या है

1. **193 सदस्यीय वैश्विक संगठन में 30 जून को बजट को लेकर मतदान हुआ।** लंबी बहस के बाद बजट कमेटी में एक जुलाई से शुरू होने जा रहे वर्ष के दौरान 14 शांतिरक्षक अभियानों के लिए कुल 7.3 अरब डॉलर (करीब 472 अरब रुपये) के बजट को मंजूरी मिली।
2. **इसमें 6.8 अरब डॉलर (करीब 439.36 अरब रुपये) के मूल बजट** और दो शांतिरक्षक अभियानों के लिए 50 करोड़ डॉलर (करीब 32.31 अरब रुपये) के अतिरिक्त बजट को स्वीकृति दी गई। पिछले साल के मुकाबले बजट में 57 करोड़ डॉलर (करीब 36.83 अरब रुपये) की कटौती की गई है।
3. **भारत ने यूएन के शांति कोष में पांच लाख डॉलर (करीब 3.23 करोड़ रुपये) का योगदान दिया है। भारत 2005 में शांतिस्थापना आयोग की स्थापना के समय से ही इसका सदस्य है।**
4. तब से इस कोष में भारत 50 लाख डॉलर (करीब 32.30 करोड़ रुपये) दे चुका है। इस कोष से संघर्ष से जूझ रहे देशों में शांति कार्यों में लगे संगठनों को मदद दी जाती है।

आक्रामक कूटनीति को कैबिनेट ने दी नई धार

केंद्र सरकार की आक्रामक कूटनीति को और धार मिली है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट व सीसीईए की बैठक में **पांच ऐसे फैसले किये गये जो सरकार की कूटनीति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।** इसमें **दो फैसला तो फलस्तीन को स्वास्थ्य व आर्थिक क्षेत्र में मदद देने से संबंधित है** जबकि **दो फैसले पड़ोसी देश बांग्लादेश के साथ रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाने से जुड़े हुए हैं। एक फैसला पड़ोसी देशों के साथ सड़क कनेक्टिविटी को बढ़ाने से जुड़ी सासेक कैरीडोर से जुड़ी हुई है।** चीन जिस तरह से वन बेल्ट-वन रोड (ओबोर) परियोजना को बढ़ा रहा है उसे देखते हुए इस फैसले की अहमियत बढ़ गई है।

सासेक परियोजना

1. **भारत ने कई वर्ष पहले भूटान, नेपाल, बांग्लादेश व म्यंमार को जोड़ने के लिए सासेक (साउथ एशियन सब रिजीनल इकोनोमिक को-ऑपरेशन) कारीडोर शुरु किये हुए है।**
2. इसके तहत **मणिपुर के इम्फाल-मोरेह (म्यंमार) को जोड़ने की सड़क परियोजना को 1630.29 करोड़ रुपये और दिए गए हैं।** ताकि यह मार्ग पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो सके।
3. इस मार्ग को पूर्वी एशियाई बाजार के लिए भारत का प्रवेश द्वार माना जाता है। भारत की योजना इस मार्ग के जरिए न सिर्फ पूर्वी एशियाई बाजारों को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने की है बल्कि भारत यह भी दिखाना चाहता है कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की अवधारणा को वह स्वीकार करता है।

फलस्तीन के लिए हर मदद

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

1. मोदी इजरायल की बेहद सफल यात्रा संपन्न कर स्वदेश लौटे हैं। लेकिन स्वदेश लौटने के बाद अपनी पहली कैबिनेट बैठक में उन्होंने **फलस्तीन को सहयोग देने से जुड़े दो अहम परियोजनाओं को मंजूरी दी है।**
2. इसमें एक परियोजना स्वास्थ्य व मेडिसीन के क्षेत्र में है। इससे फलस्तीन को स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतरीन प्रशिक्षण देने, संक्रामक बीमारियों के रोक थाम की तकनीकी देने, दवाईयां व स्वास्थ्य से जुड़े अन्य उपकरण देने का रास्ता साफ होगा। आने वाले दिनों में भारत व फलस्तीन में इसके लिए एक कार्य दल का भी गठन होगा।
3. इसके अलावा फलस्तीन को सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में मदद देने संबंधी प्रस्ताव को हरी झंडी दिखाई गई है। इससे इस छोटे से देश के सरकारी काम काज में सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा मिलेगा।
4. **इजरायल की यात्रा पर जाने वाले पहले भारतीय पीएम हैं।** इससे भारत व फलस्तीन के बेहद ऐतिहासिक रिश्ते पर सवाल उठाये जा रहे हैं। ऐसे में भारत ने यह दिखाने की कोशिश की है कि उसके लिए फिलिस्तीन का अलग महत्व है और फलस्तीन जनता के बेहतरी के लिए वह गंभीर है।

गंगा के पास 'नो डेवलपमेंट जोन'

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने गंगा नदी और इसके आस-पास होने वाले प्रदूषण को लेकिर सख्ती बरतते हुए **हरिद्वार से उन्नाव के बीच आने वाला गंगा नदी के पास 100 मीटर का क्षेत्र 'नो डेवलपमेंट जोन'** के तौर पर घोषित कर दिया है साथ ही गंदगी फैलाने वालों पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाने का निर्देश दिया है।

क्या है

1. प्राधिकरण ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि **हरिद्वार से उन्नाव के बीच गंगा नदी के तट से 500 मीटर की दूरी तक किसी तरह का कचरा नहीं होना चाहिए**और गंगा नदी के किनारे कचरा फैलाने वालों पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाए।
2. एनजीटी के अनुसार, **करीब 7,304 करोड़ रुपये इन क्षेत्रों पर खर्च किया गया है** लेकिन यह भी व्यर्थ चला गया। एनजीटी ने यह भी निष्कर्ष निकाला कि नियोजन व नियमन में मौलिक त्रुटियां रहीं जिसके कारण गंगा की सफाई नहीं हो पायी।
3. इस वर्ष के शुरुआत में ट्रिब्यूनल ने निर्णय लिया था कि गंगा के **सर्वाधिक प्रदूषित क्षेत्रों उत्तराखंड के हरिद्वार से उत्तरप्रदेश के कानपुर के बीच की जांच की जाएगी** ताकि स्थिति की स्पष्ट तस्वीर सामने आए। सुप्रीम कोर्ट से भेजे गए **32 वर्ष पुराने नदी प्रदूषण के एक मामले पर ग्रीन ट्रिब्यूनल में 6 फरवरी से सुनवाई की जा रही है।**
4. अप्रैल में एनजीटी ने नदी किनारे स्थित 13 प्रदूषण फैलाने वाले इंटस्ट्री के बंद करने का आदेश दिया था व कई अन्य इंडस्ट्री पर जुर्माना भी लगाया था।

अन्तरराष्ट्रीय

स्विस बैंकों में जमा धन में भारत की रैंकिंग

लगता है काले धन के खिलाफ मोदी सरकार की मुहिम रंग लाई है। **स्विस बैंकों में अपने देश के नागरिकों द्वारा जमा धन के मामले भारत की रैंकिंग में भारी गिरावट देखने को मिली है।** स्विस नेशनल बैंक की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, **भारत इस मामले में फिसलकर 88वें पायदान पर आ चुका है, जबकि ब्रिटेन अब भी शीर्ष पर कायम है।** वहीं स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा कुल रकम में भारतीयों की हिस्सेदारी भी **महज 0.04 फीसदी हो गई है।**

क्या है

1. **2015 में भारत इस सूची में 75वें** और **उससे पहले 2014 में 61वें** पायदान पर था। हालांकि **2007 तक यह स्विस बैंकों में जमा धन के मामले में शीर्ष 50 देशों में शामिल हुआ करता था।**
2. **2004 में भारत इस सूची में 37वें पायदान पर था,** जो अब तक की सबसे बड़ी रैकिंग है। मगर इसमें अब तेजी से गिरावट आई है। गौरतलब है कि नोटबंदी के बाद सरकार ने विदेश में जमा काले धन को देश में

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

वापस लाने की मुहिम तेज की थी। सरकार को अगले कुछ सालों में स्विस बैंक की तरफ से रियल टाइम में डेटा मिलने लगेगा।

3. हालांकि 2016 में स्विस बैंक में विदेशी नागरिकों की तरफ से जमा रकम में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली है। **2016 में स्विस बैंकों में जमा रकम 1.41 लाख करोड़ फ्रैंक से बढ़कर 1.42 फ्रैंक हो गई।**
4. ब्रिटिश नागरिकों की इस फंड में हिस्सेदारी 25 फीसदी से भी अधिक है। वहीं दूसरे नंबर पर अमेरिका आता है, जिसकी कुल जमा रकम में 17 फीसदी हिस्सेदारी है।

'ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम'

अमेरिका जाने वाले भारतीयों के लिए अच्छी खबर है। **भारत अब दुनिया के उन 11 चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिनके नागरिकों को अमेरिकी हवाईअड्डों पर इमिग्रेशन की लंबी लाइन में नहीं खड़ा होना पड़ता।** अमेरिका अपने **'ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम'** के तहत कुछ देशों के नागरिकों को हवाईअड्डों पर विशेष सुविधा प्रदान करता है। **यह सुविधा अमेरिकी सीमा शुल्क एवं बॉर्डर सुरक्षा (सीबीपी) विभाग की ओर से दी जाती है।** इसका लाभ लेने के लिए यात्रियों को नामांकन करवाकर मंजूरी लेनी होती है। आवेदक की जांच के बाद सीबीपी उनका इंटरव्यू लेता है और पूरी तरह संतुष्ट होने पर उन्हें इस सेवा का लाभ उठाने की मंजूरी देता है। ऐसे यात्री चुनिंदा हवाईअड्डों पर उतरने के बाद स्वचालित व्यवस्था की मदद से जल्द बाहर निकल जाते हैं।

क्या है

1. अमेरिका ने अब इस **'ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम' में भारतीय नागरिकों को भी शामिल कर लिया है।**
2. अमेरिका में **भारत के राजदूत नवतेज सरना पहले भारतीय नागरिक हैं जिन्होंने इस प्रोग्राम में अपना रजिस्ट्रेशन कराया।**
3. इसके साथ ही **भारत ग्यारहवां देश बन गया जिसके नागरिक कस्टम व सीमा सुरक्षा (सीबीपी) में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।**
4. भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रंप प्रशासन ने भारत को ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम में शामिल कर लिया है। इससे अमेरिका जाने वाले भारतीय नागरिकों को फायदा होगा।
5. भारत के अलावा अमेरिका के नागरिक व **ग्रीन कार्ड धारक और अर्जेंटीना, कोलंबिया, जर्मनी, मैक्सिको, नीदरलैंड्स, पनामा, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन के नागरिकों को यह सुविधा प्राप्त है।** चुनिंदा एयरपोर्ट पर उतरने के बाद प्रोग्राम में शामिल सदस्यों को इमिग्रेशन का सामना करने के बजाय ऑटोमैटिक कियोस्क के जरिए प्रवेश कराया जाएगा।
6. इन एयरपोर्ट पर सदस्यों को ग्लोबल एंट्री कियोस्क के जरिए जाना है, अपना अमेरिकी स्थायी निवास कार्ड या मशीन रीडेबल पासपोर्ट के बाद स्कैनर पर फिंगरप्रिंट्स आदि देने होंगे।
7. इसके बाद कियोस्क यात्री को ट्राजैक्शन रसीद जारी करेगा और सामानों के साथ बाहर जाने का निर्देश देगा।

चीन ने 'जिबूती' में बनाया सैन्य अड्डा

अफ्रीकी देश 'जिबूती' में सैन्य अड्डा स्थापित करने के लिए चीनी सैनिक अफ्रीका के लिए रवाना हो चुके हैं। **देश से बाहर चीन का यह पहला सैन्य अड्डा होगा।** पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा अफ्रीका में नए सैन्य अड्डे के प्रभारी के विदाई समारोह के बाद सैनिकों तथा सैन्य उपकरणों को लेकर दो जहाज **'दक्षिणी बंदरगाह झानजियांग' से रवाना हुए।**

क्या है

1. **यह सैन्य अड्डा मानवीय सहायता मिशन, डाकुओं से जहाजों को बचाने तथा शांति बनाए रखने में अफ्रीका तथा एशिया में चीन के सैन्य अभियान में मदद करेगा।**
2. चीन द्वारा साल 2015 में इस तरह के सैन्य अड्डे में दिलचस्पी दिखाने के बाद बीजिंग ने बार-बार यह दोहराया है कि यह सैन्य विस्तार का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसका मकसद अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों के लिए रसद संबंधी मदद तथा समुद्री मार्गों की सुरक्षा करना है।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

3. जिबूती में पहले से ही **अमेरिका, फ्रांस तथा जापान के सैन्य अड्डे हैं**, जो क्षेत्र के विभिन्न देशों में मानवीय सहायता के लिए आने वाले जहाजों का मार्ग रक्षण करते हैं और समुद्री डाकुओं से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

उत्तर कोरिया के जवाब में अमेरिका ने दागी 'थाड'

उत्तर कोरिया से **बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने एंटी मिसाइल सिस्टम थाड का सफल परीक्षण किया है।** अमेरिका ने इस परीक्षण को पूरी तरह से सफल करार दिया है। **इस मिसाइल का परीक्षण अलास्का के पेसेफिक स्पेसपोर्ट कॉम्प्लेक्स से किया गया है।** इस मिसाइल परीक्षण को अमेरिका की उस चिंता से जोड़कर देखा जा रहा है जो उत्तर कोरिया ने कुछ दिन पहले अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण करके उसे दी है।

क्या है

1. **उत्तर कोरिया ने यह परीक्षण 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतत्रता दिवस के दिन किया था।** उस वक्त अमेरिका ने पहली बार माना था कि इस परीक्षण के बाद उत्तर कोरिया, अमेरिका पर सीधा हमला करने में सक्षम हो गया है लिहाजा उसको अब खतरा बढ़ गया है। **पहली बार भारत ने भी इस परीक्षण के बाद उत्तर कोरिया को दुनिया के लिए खतरा बताया था।**
2. यूएस मिसाइल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक परीक्षण के दौरान **थाड के द्वारा अपनी ओर आ रही इंटरमीडिएट रेंज बैलेस्टिक मिसाइल (IRBM) को मार गिराया गया।**
3. इस मिसाइल को उत्तर कोरिया की उस मिसाइल की तरह ही डिजाइन किया गया था, जिसका परीक्षण हाल ही में उत्तर कोरिया ने किया है और जिससे अमेरिका को भी खतरा महसूस होने लगा है।
4. **यह परीक्षण अलास्का से प्रशांत महासागर की ओर किया गया था।** इसकी वजह इसलिए थी क्योंकि उत्तर कोरिया ने जिस मिसाइल परीक्षण के सफल होने का दावा किया है वह उसके मुताबिक अलास्का तक हमला करने में सक्षम है। थाड के इस सफल परीक्षण से उत्तर कोरिया की भी घबराहट जायज है।
5. **अमेरिका ने प्रशांत महासागर में स्थित गुआम द्वीप पर थाड मिसाइल की तैनाती वर्ष 2013 में की थी।** इसकी तैनाती उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रोग्राम को देखते हुए ही यहां पर की गई थी।
6. **गुआम द्वीप उत्तर कोरिया से करीब 35 किमी की दूरी पर स्थित है।** इंटरमीडिएट रेंज बैलेस्टिक मिसाइल की मारक क्षमता करीब 3000 से 5500 किमी होती है। लेकिन उत्तर कोरिया यदि अमेरिका के मेनलैंड पर हमला करने की कोशिश करता है तो उसको इसके लिए अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल का प्रयोग करना होगा, जिसकी मारक क्षमता 5500 किमी से अधिक होती है।

थाड से जुड़े कुछ खास तथ्य

1. थाड एक एंटी-बैलेस्टिक मिसाइल सिस्टम है।
2. थाड का मकसद अपनी ओर आ रही शॉर्ट रेजं, मीडियम रेंज, इंटरमीडिएट रेंज बैलेस्टिक मिसाइल और इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल को पता लगाकर खत्म करना है।
3. 1991 में हुए खाड़ी युद्ध के दौरान इस्तेमाल की गई स्कड मिसाइल के बाद इसको अमेरिका की मिसाइल डिफेंस एजेंसी के यूएस आर्मी प्रोग्राम के तहत तैयार किया गया है।
4. थाड को लॉकहिड मार्टिन कंपनी ने तैयार किया है।
5. थाड अपने साथ किसी तरह का वारहैड नहीं ले जाती है बल्कि दूसरी मिसाइल को इंटरसेप्ट कर एक काइनैटिक एजर्जी रिलीज करती है जिससे दूसरी मिसाइल नष्ट हो जाती है।
6. 1987 में इसका पहली बार जिक्र किया गया था लेकिन इसको लेकर पृष्ठभूमि 1991 के बाद तैयार हुई।
7. थाड के शुरुआती छह टेस्ट असफल रहने के बाद 10 जून 1999 को पहली बार इसका सफल परीक्षण किया गया था। इसके बाद 2 अगस्त 1999 को भी इसका सफल टेस्ट किया गया।
8. **दक्षिण कोरिया के अलावा थाड को तुर्की, और यूएई** में भी तैनात किया गया है।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

7. **थाड को बनाने वाली कंपनी लॉकहिड मार्टिन का कहना है** कि यह मिसाइल सिस्टम पृथ्वी के वातावरण के अंदर और बाहर से आने वाली मिसाइल को खत्म करने में पूरी तरह से सक्षम है। उत्तर कोरिया से बढ़ते तनाव के बाद अमेरिका ने इसी वर्ष दक्षिण कोरिया में भी इस मिसाइल सिस्टम को तैनात किया है।

इजरायल और जी-20 सम्मेलन खास बातें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय **इजरायल दौरे और जर्मनी में हुए जी-20 सम्मेलन में भाग लेने के बाद स्वदेश लौट चुके हैं।** उन्होंने अपनी इस 5 दिवसीय यात्रा के दौरान इजरायल और जी-20 देशों के समक्ष भारत की स्थिति मजबूत करने की कोशिश की। **इजरायल में उन्होंने 7 अग्रीमेंट साइन किए और इसके अलावा कई और अहम फैसले लिए।**

क्या है

1. **प्रधानमंत्री मोदी इजरायल जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं।** यही वजह रही कि उनका यह इजरायल दौरा बेहद खास था।
2. **इजरायल और भारत के बीच 7 बड़े समझौते हुए।** इसमें **औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीकी अविष्कार कोष की स्थापना, दोतरफा व्यापार और निवेश का प्रवाह, जल एवं संसाधनों के इस्तेमाल में दक्षता, जल संरक्षण और उसकी स्वच्छता, कृषि क्षेत्र में उत्पादकता में बढ़ोतरी, कृषि क्षेत्र के लिए तीन साल तक चलने वाला सहयोग कार्यक्रम, परमाणु घडियों के क्षेत्र में सहयोग,** जियो-लियो ऑप्टिकल लिंक और छोटे सेटेलाइट के लिए इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन के क्षेत्र में सहयोग एवं आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करना।
3. इजरायल से भारतीय समुदाय को मिले तीन तोहफे- तेल अवीव से मुंबई के बीच हवाई सेवा शुरू होगी। इजरायल में अनिवार्य मिलिटरी सर्विस कर चुके **भारतीय मूल के लोगों को ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया (OCI) कार्ड जारी किया जाएगा।** इसके अलावा इजरायल में इंडियन कल्चरल सेंटर खोलने की भी घोषणा की।
4. 99 साल पहले प्रथम विश्व युद्ध के समय शहीद हुए भारतीय सैनिकों को हाइफा शहर में दी श्रद्धांजलि।
5. **जी-20 सम्मेलन के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ एक 10 सूत्रीय एजेंडा पेश किया** जिसकी सभी देशों ने सराहना की। यहां पीएम ने उन देशों पर भी निशाना साधा जो निजी हितों के लिए आतंकवाद को पनाह दे रहे हैं।

G20 देशों ने आतंकवाद की फंडिंग खत्म करने का लिया संकल्प

जर्मनी के शहर **हैम्बर्ग** में आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आह्वान पर **जी20 देशों के नेताओं ने मुहर** लगाई। **आतंकवाद के मुद्दे पर जी 20 ने नया मसौदा पारित किया।** जी20 देशों ने संचार कंपनियों सहित निजी क्षेत्र से कहा कि वे आतंकवाद के लिए इंटरनेट के दुरुपयोग पर अंकुश लगाकर कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ाई में साथ आएं। प्रस्ताव में कहा गया कि आतंकवादियों को उकसाने वाली सामग्री रोकने का कानूनी नियम डिजिटल और गैर डिजिटल दोनों क्षेत्रों पर लागू होता है। मसौदे में निजी क्षेत्र खासकर टेक कंपनियों से कहा गया कि आतंकी धमकियों और साजिशों का खुलासा करने के लिए वे जरूरत के मुताबिक सूचनाएं मुहैया कराएं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने जी20 सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ **11 सूत्रीय एजेंडा पेश किया था।**

क्या है

1. नेताओं ने आतंकवाद की फंडिंग, उनकी पनाहगाहों को खत्म करने का संकल्प लिया। **सदस्य देशों ने तय किया कि इराक और सीरिया से लौटे विदेशी आतंकियों को उनके मूल देश में जड़ जमाने से रोका जाएगा।**
2. तय किया गया कि आतंकवाद को लेकर खुफिया सूचनाएं साझा करने के साथ कानूनी और न्यायिक एजेंसियों के बीच सहयोग बढ़ाया जाएगा।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

3. सदस्य देश आतंकियों को कठघरे में खड़ा करेंगे और सीमा सुरक्षा एजेंसियां आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के मकसद से दूसरे देश में घुसने वाले संदिग्धों को पकड़ने में सहयोग करेंगे। मसौदे में हवाई सुरक्षा को पैदा हुए खतरे से निपटने के लिए समन्वय तेज करने पर जोर दिया।
4. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के **पीएम शिंजो अबे और कनाडा के पीएम जस्टिन त्रुदु से मुलाकात की।** मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ब्रिटिश प्रधानमंत्री थेरेसा मे, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल और फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के साथ भी संक्षिप्त बातचीत की। मोदी ने ब्रिक्स नेताओं के साथ बैठक में ब्राजील के राष्ट्रपति मिचेल टेमर और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति जैकब जुमा के साथ अनौपचारिक बातचीत की।

सामने आया चीन का झूठ

डोकलाम के मुद्दे पर भारत खुली चुनौती देने वाला चीन कई ऐसे तथ्यों को छुपा रहा है जिस पर कभी हस्ताक्षर ही नहीं हुए थे। एक अंग्रेजी अखबार के मुताबिक चीन दरअसल जिस **'सिक्किम-तिब्बत संधि 1890'** के दस्तावेज दिखाकर चीन डोकलाम पर दावा करता है, उस पर तिब्बत सरकार ने कभी हस्ताक्षर किए ही नहीं थे। **1890 की संधि को किनारे कर दें तो, चीन 1960 तक भूटान-तिब्बत और सिक्किम-तिब्बत सीमाओं को लेकर किसी भी तरह की संधि पर सहमत नहीं था।** विश्लेषक मानते हैं कि **डोकलाम पर दावा करते वक्त चीन ने ऐसे किसी दस्तावेज का जिक्र नहीं किया जिसमें 1980 का जिक्र हो।**

क्या है

1. तिब्बत मामलों के जानकार और इतिहासकार **क्लॉड आर्पी** बताते हैं, **'तिब्बत की सरकार ने 1890 के समझौते को स्वीकार करने से इसलिए इनकार कर दिया था** क्योंकि उसके साथ इस जानकारी को साझा नहीं किया गया था कि वो इसका हिस्सा नहीं हैं।
2. संधि के कुछ साल पहले ब्रिटिश और अंग्रजे सैनिकों के बीच संघर्ष हुआ था और एक कारण यह भी हो सकता है कि तिब्बत की सरकार ने इस समझौते को मान्यता नहीं दी।
3. चीन यह मानकर चल रहा था कि संधि के लिए तिब्बत की स्वीकृति जरूरी नहीं है, क्योंकि इस संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों के साथ केंद्र सरकार ने अपना राजदूत भेज दिया था। लेकिन यह सच नहीं है क्योंकि चीन सरकार का तिब्बत पर कोई नियंत्रण नहीं था और **1890 में एक एक स्थायी प्रतिनिधित्व था।**
4. **यहां तक कि ब्रिटिश सरकार ने 1904 में उस पर इसलिए हमला कर दिया था** क्योंकि तिब्बती सरकार ने संधि को स्वीकार करने से मना कर दिया था। चीन इस तथ्य पर चुप है कि 1960 तक विवादित क्षेत्र का कोई हल नहीं निकल पाया था और लगातार पेइचिंग तथा भूटान के बीच झगड़े का कारण बना हुआ है।

ड्रैगन को घेरने की 'एक्ट ईस्ट नीति'

भारत सरकार की **अगले साल गणतंत्र दिवस परेड के मौके पर दस आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्षों को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाने की योजना है।** एक अंग्रेजी वेबसाइट के मुताबिक भारत अपनी श्एक्ट ईस्ट नीतिश को बल देने के लिए **ब्रुनेई, कम्बोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलिपिंस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम**के राष्ट्राध्यक्षों को **रिपब्लिक डे परेड में मुख्य अतिथि के तौर आने का न्यौता देने जा रहा है।** हर साल 26 जनवरी को राजधानी दिल्ली के राजपथ पर **'रिपब्लिक डे परेड'** का आयोजन किया जाता है, जिसमें **भारत अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन करता है।** यह पहला मौका होगा जब एक साथ इतने देशों के राष्ट्राध्यक्ष रिपब्लिक डे परेड में शिरकत करेंगे। **'एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस' को आसियान कहा जाता है।**

क्या है

1. भारत और आसियान देशों के बीच संबंधों की महत्ता को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कुछ दिनों **पहले दसवें 'दिल्ली डॉयलाग' कार्यक्रम** के दौरान अपने वक्तव्य में कहा था, श्हमने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ अपने रिश्तों को मजबूती प्रदान करने की कोशिश की है।
2. **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के भारत-आसियान सम्मेलन** में इस बात पर जोर देते हुए कहा था कि भारत की 'लुक ईस्ट पॉलिसी' अब 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' बन चुकी है।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

3. चीन के साथ भारत के वर्तमान संबंधों को देखते हुए सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि **दक्षिण-चीन सागर विवाद के बाद आसियान देशों के संबंध चीन के साथ उतने मधुर नहीं हैं। आसियान के चार देश वियतनाम, फिलिपिंस, मलेशिया और ब्रुनेई का चीन के साथ दक्षिण-चीन सागर मामले में विवाद चल रहा है।**

पेरिस समझौता को भारत समेत अन्य G-20 देशों ने किया समर्थन

अमेरिका जी-20 शिखर सम्मेलन में उस समय अलग थलग पड़ गया जब **भारत एवं समूह के 18 अन्य सदस्यों ने पेरिस जलवायु समझौते को बदला नहीं जा सकने वाला करार दिया।** भारत समेत जी-20 के अन्य सदस्यों ने इस ऐतिहासिक समझौते का समर्थन किया जिससे वाशिंगटन ने अलग होने का निर्णय लिया है। दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन में भारतीय पक्ष को आतंकवाद को रोकने और वैश्विक व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के संकल्प में महत्वपूर्ण योगदान देते देखा गया।

क्या है

1. इस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा मेजबान जर्मनी की चांसलर एंजेला मार्केल और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत विश्व के कई शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।
2. इस दौरान शहर में अभूतपूर्व हिंसक प्रदर्शन हुए जहां हजारों पूंजीवाद विरोधी प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच संघर्ष हुआ। एंजेला ने कहा कि दुभार्ग्यवश अमेरिका पेरिस समझौते के खिलाफ खड़ा रहा लेकिन अन्य सभी सदस्यों ने इस समझौता का समर्थन किया।
3. पेरिस समझौते से अमेरिका के पीछे हटने के फैसले को ध्यान में रखते हुए जी20 की आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, अन्य **जी20 सदस्यों के नेताओं ने सहमति जताई कि पेरिस समझौते में परिवर्तन नहीं किया जा सकता।** विज्ञप्ति में भ्रष्टाचार, कर चोरी, आतंकवाद को मिलने वाली वित्तीय मदद एवं धनशोधन के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता जताई गई।
4. नेताओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ संगठित होने संबंधी जी-20 के उच्च स्तरीय सिद्धांतों को आज पारित किया। इसमें कहा गया कि भ्रष्टाचार सरकार के दक्ष एवं प्रभावी संचालन के अलावा निर्णय लेने में निष्पक्षता एवं सरकारी सेवाओं को उचित तरीके से मुहैया कराने की प्रक्रिया को बाधित करता है।
5. **जी-20 भ्रष्टाचार रोधी कार्य योजना 2017-18 भ्रष्टाचार के खिलाफ संगठित होने समेत सार्वजनिक क्षेत्र की अखंडता एवं पारदर्शिता को प्राथमिकता मानती है।**

ईयू और भारत ने एक निवेश सुविधा तंत्र स्थापित किया

यूरोपीय संघ (ईयू) और भारत ने यूरोपीय संघ के भारत में निवेशों के लिए **एक निवेश सुविधा तंत्र (आईएफएम) की स्थापना की घोषणा की।** इस तंत्र से यूरोपीय संघ और भारत सरकार के बीच करीबी तालमेल स्थापित हो सकेगा। इसका उद्देश्य भारत में यूरोपीय संघ के निवेश को बढ़ावा देना और उसे सुगम बनाना है। **यह समझौता मार्च 2016 में ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ-भारत के 13वें शिखर सम्मेलन में जारी संयुक्त बयान के दौरान तैयार किया गया था,** जिसमें यूरोपीय संघ ने इस प्रकार का एक तंत्र तैयार करने के भारत के फैसले का स्वागत किया था। दोनों देशों के नेताओं ने संरक्षणवाद का विरोध करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई थी। साथ ही एक निष्पक्ष, पारदर्शी और शासन आधारित व्यापार और निवेश माहौल बनाने की वकालत की थी।

क्या है

1. **आईएफएम के अंतर्गत भारत में ईयू के प्रतिनिधिमंडल तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग ने** भारत में ईयू के निवेशों का आकलन करने और **''व्यापार में सुगमता''** के लिए नियमित उच्चस्तरीय बैठकें आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की थी।
2. इसमें यूरोपीय संघ की कंपनियों और निवेशकों को स्थापित करने अथवा उनके कार्य को चलाने के लिए सामने आने वाली प्रक्रिया संबंधी परेशानियों का समाधान निकालने और उसे सामने रखना शामिल है।
3. **यूरोपीय संघ भारत में सबसे बड़ा विदेशी निवेश है** और उसकी पहल से यूरोपीय संघ के निवेशकों के लिए अधिक मजबूत, प्रभावी और पूर्वानुमेय व्यापार माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

4. मार्च, 2016 में आयोजित शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों के नेताओं ने अपने संबंधों को नई गति देने का फैसला किया था। हम उसी का पालन कर रहे हैं।
5. **'व्यापार में सुगमता'** सरकार के **'मेक इन इंडिया' अभियान की मूल प्राथमिकता है** और भारत में यूरोपीय संघ के निवेश को सुगम बनाने के लिए आईएफएम की स्थापना इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए एक अन्य कदम है।
6. **आईएफएम की स्थापना यूरोपीय संघ की कंपनियों और निवेशकों के भारत में प्रचालन के दौरान** उनके सामने आने वाली समस्याओं को पहचानने और उन्हें हल करने का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से की गई।
7. आईएफएम यूरोपीय संघ की कंपनियों और निवेशकों की दृष्टि से सामान्य सुझाव पर विचार-विमर्श करने के लिए एक मंच का काम करेगा। उन्होंने कहा कि इससे यूरोपीय संघ के निवेशकों को भारत में उपलब्ध निवेश के अवसरों का उपयोग करने में प्रोत्साहन मिलेगा।
8. **सरकारी निवेश संवर्धन और सुविधा एजेंसी, इनवेस्ट इंडिया भी इस तंत्र का हिस्सा होगी।** यह यूरोपीय संघ की कंपनियों के लिए एक प्रविष्टि स्थल तैयार करेगा, जिसे केन्द्रीय अथवा राज्य स्तर पर निवेश के लिए सहायता की जरूरत होगी।
9. **व्यापार और निवेश यूरोपीय संघ और भारत के बीच 2004 में शुरू की गई रणनीतिक भागीदारी के प्रमुख तत्व हैं।** वस्तुओं और सेवाओं में पहला व्यापार भागीदार होने के साथ यूरोपीय संघ भारत में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में से एक है, जिसका सामान मार्च 2017 तक 81.52 अरब (4.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक) का था।
10. इस समय भारत में यूरोपीय संघ की छह हजार से ज्यादा कंपनियां है जो 60 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रही हैं।

भारत ने यूएन साझेदारी कोष में दिए अतिरिक्त योगदान

भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) साझेदारी कोष में 10 लाख डॉलर (करीब 6.5 करोड़ रुपये) का अतिरिक्त योगदान किया है। भारत-यूएन विकास साझेदारी कोष का गठन पिछले महीने **भारत और यूएन के दक्षिण-दक्षिण सहयोग कार्यालय (यूएनओएसएससी)** के बीच साझेदारी के रूप में किया गया था। इसका उद्देश्य विकासशील देशों में सतत विकास परियोजनाओं के लिए सहयोग करना है।

क्या है

1. भारत ने इस कोष के गठन के समय इसमें 10 लाख डॉलर (करीब 6.5 करोड़ रुपये) का योगदान किया था। **इसका प्रयोग दक्षिण प्रशांत में सात छोटे द्वीपीय देशों में विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किया गया।**
2. भारत ने इस कोष में 6.5 करोड़ रुपये के अतिरिक्त योगदान के जरिये अपने सहयोग को दोगुना कर दिया।
3. यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत सैयद अकबरुद्दीन ने कहा, श्भारत के इस सहयोग को वसुधैव कुटुंबकम अर्थात 'संपूर्ण विश्व एक परिवारश की भावना से देखा जाना चाहिए।'

कैरी लैम बनीं हांगकांग की पहली महिला नेता

चीन के राष्ट्रपति **शी जिनपिंग ने छिटपुट विरोधों** के बीच हांगकांग के नए नेता के रूप में **कैरी लैम** को जुलाई को शपथ दिलायी। पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश के रूप में हांगकांग को चीनी शासन को सौंपे जाने की यह **बीसवीं वर्षगांठ है।** इस समारोह के आयोजन के लिए **हार्बर फ्रंट समारोह स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी** जहां दो दशक पहले ब्रिटिश गर्वनर क्रिस पट्टन ने एक भावुकता पूर्ण समारोह में हांगकांग को चीनी शासन को वापस सौंप दिया था।

क्या है

1. **ब्रिटेन ने एक जुलाई 1997 को एक देश, दो प्रणालीश फामूर्ले के तहत हांगकांग को चीनी शासन को वापस लौटाया,** जो चीन के मुकाबले यहां व्यापक आजादी और न्यायिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है।
2. चीन समर्थित प्रशासनिक अधिकारी लैम मार्च में हांगकांग के अगले नेता के रूप में 1,200 लोगों की 'चुनाव समिति' द्वारा चुनी गयी थीं। इस समिति में चीन के समर्थकों की संख्या काफी अधिक थी।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

3. शी जिनपिंग का यह दौरा चीन और हांगकांग के बीच बढ़ते तनाव के दौरान हुआ है। हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों का आरोप है कि चीन श्एक देश दो प्रणालीश व्यवस्था का उल्लंघन कर अपना हस्तक्षेप बढ़ा रहा है। इसीलिए वे इसका विरोध करते रहे हैं।
4. शी जिनपिंग ने कहा कि एक देश दो प्रणाली फामूर्ला को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि इस समस्या को भावुक रूख अपनाकर हल किया जाए।

चीन में एससीओ की बैठक में शामिल हुआ भारत

सिक्किम में चीनी सैनिकों के साथ गतिरोध के बीच भारत ने आतंकवाद निरोध और सदस्य देशों के बीच सीमा नियंत्रण तंत्र को प्रोत्साहन देने के लिए **चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लिया। भारत और पाकिस्तान के एससीओ का पूर्ण सदस्य बनने के बाद यह पहली पूर्ण बैठक थी।** चीन, भारत और रूस समेत एससीओ के 7 सदस्यों ने संगठन के सीमा नियंत्रण विभागों के प्रमुखों की पूर्वोत्तर चीन के लेआनिंग प्रांत के डलियान में गुरुवार को हुई बैठक में हिस्सा लिया।

क्या है

1. भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने एससीओ की डलियान बैठक में हिस्सा लिया। **भारत और पाकिस्तान के जून में समूह का पूर्ण सदस्य बनने के बाद से यह एससीओ की पहली पूर्ण बैठक है।**
2. समूह के अन्य सदस्यों में **चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान और उजबेकिस्तान शामिल हैं।**
3. सदस्य देशों ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से लड़ने में कैसे सहयोग किया जाए इसपर चर्चा की। सदस्य देशों ने सीमापार अपराधों को रोकने के लिए सीमा पर संयुक्त अभियान और सीमा की सुरक्षा पर संगठन में सहयोग में सुधार करने पर भी चर्चा की।

चीन के अंतरिक्ष अभियान को तगड़ा झटका

चीन के अंतरिक्ष अभियान को तगड़ा झटका लगा है। ज्यादा वजन ले जाने वाले लांग **मार्च-5 वाई-2 रॉकेट का प्रक्षेपण 2** जुलाई को विफल हो गया। **प्रक्षेपण के तुरंत बाद रॉकेट में गड़बड़ी की बात सामने आ गई थी।** इस रॉकेट के जरिये **साढ़े सात टन वजनी शिजियान-18 संचार उपग्रह** को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करने की योजना थी। मामले की जांच कराने की बात कही गई है।

क्या है

1. शिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक, **वाई-2 का प्रक्षेपण दक्षिणी प्रांत हैनान के वेनचौंग स्पेस लांच सेंटर से** किया गया था। उड़ान भरने के तुरंत बाद रॉकेट में गड़बड़ी का पता चला। **प्रक्षेपण का लाइव प्रसारण किया जा रहा था।** शुरुआत में अभियान को सफल बताया गया था। बाद में शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने प्रक्षेपण के विफल होने की जानकारी दी।
2. साढ़े सात टन वजनी शिजियान-18 चीन का अब तक का सबसे वजनी सेटेलाइट है। इसके माध्यम से डोंगफांगहोंग-5 सेटेलाइट प्लेटफॉर्म और क्यू/वी बैंड का परीक्षण करना था। मालूम हो कि चीन ने हाल के वर्षो में अपना अंतरिक्ष अभियान तेज कर दिया है।
3. शिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि **वाई-2 श्रेणी के पहले रॉकेट ने नवंबर, 2016 में पहली उड़ान भरी थी।**
4. अप्रैल में मालवाहक यान तियानझाओ-1 को लांग मार्च-7 वाई-2 के जरिये प्रायोगिक अंतरिक्ष स्टेशन में भेजा गया था।
5. इस स्टेशन के वर्ष 2022 से कार्य शुरू करने की संभावना है। तियानझाओ-1, तियानगोंग-2 से ज्यादा बड़ा और वजनी था।

इजरायल के साथ ऐतिहासिक समझौते

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इजरायल यात्रा के दूसरे दिन **भारत और इजरायल के बीच अंतरिक्ष में सहयोग और कृषि समेत सात महत्वपूर्ण समझौतों पर मुहर लगी है।** प्रतिनिधिमंडल स्तरीय बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों देशों के प्रधानमंत्री ने एक दूसरे को अहम बताते हुए दुनिया के सामने अपनी बातें रखी।

भारत-इजरायल के बीच सात महत्वपूर्ण समझौते

1. भारत और इजरायल इंडस्ट्रियल रिसर्च एंड डेवलपमेंड एंड टेक्नॉलोजिकल इनोवेशन फंड
2. भारत में पानी का संरक्षण
3. भारत में जल प्रबंधन
4. इजरायल-भारत विकास सहयोग
5. एटोमिक क्लॉक्स समन्वय
6. जीओ-लियो ऑप्टिकल लिंक के क्षेत्र में सहयोग
7. छोटे सैटेलाइट को लेकर हुए समझौते

भारत और इजरायल इंडस्ट्रियल रिसर्च एंड डेवलपमेंड एंड टेक्नॉलोजिकल इनोवेशन फंड के लिए चार सौ करोड़ अमेरिकी डॉलर का कोष बनाने पर सहमति जताई गई है। इसके साथ ही, यूपी में गंगा की सफाई को भी इजरायल की तरफ से मदद की बात कही गई है। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साझा प्रेस कॉन्फ्रेस में प्रधानमंत्री मोदी ने कट्टरवाद और आतंकवाद का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देश इसके खिलाफ मिलकर लड़ेंगे। मोदी ने कहा कि इजरायल आविष्कारों का गढ़ है। ऐसे में यहां से भारत को काफी कुछ सीखने की जरूरत है। दोनों देशों के बीच बढ़ती दोस्ती पर पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत में इजरायली पर्यटकों की संख्या पहले के मुकाबले काफी बढ़ी है।

अर्थशास्त्र

जम्मू-कश्मीर में GST को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने **जम्मू एवं कश्मीर में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून लागू करने संबंधी आदेश को मंजूरी दे दी है।** इसके साथ ही **अब जम्मू एवं कश्मीर में भी जीएसटी के लागू होने का रास्ता साफ हो गया है।** राष्ट्रपति की ओर से मंजूरी दिए जाने के बाद इसे आगे की कार्यवाही के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय के पास भेज दिया गया है। आपको बता दें कि जम्मू एवं कश्मीर को छोड़कर 1 जुलाई को ही जीएसटी को देश के सभी राज्यों में लागू कर दिया गया था। गौरतलब है कि जीएसटी काउंसिल **ने 1200 से ज्यादा वस्तुओं और 500 से अधिक सेवाओं पर कर दी दरों का निर्धारण किया है और कुछ वस्तुओं एवं सेवाओं को इससे बाहर रखा है।**

क्या है

1. **राज्यपाल एन एन वोहरा की स्वीकृति के साथ ही, राष्ट्रपति का यह आदेश धारा 370 के तहत जारी किया गया है** जो कि भारतीय संविधान के कुछ विशेष प्रावधानों के अनुपालन से जुड़ा हुआ है।
2. **अनुच्छेद 370 राज्य को विशेष दर्जा प्रदान करता है।** राज्य के वित्त मंत्री हसीब द्राबू ने बीते दिन कहा था कि राष्ट्रपति का आदेश मिलने के बाद सरकार इसे राज्य जीएसटी पारित कराने के लिये राज्य विधानसभा में ले जायेगी।

दुनिया के कई देशों में पहले से ही लागू है GST

जीएसटी के रूप में 'एक देश एक कर' का सिद्धांत आखिरकार 1 जुलाई से लागू हो गया। भारत समेत लगभग सौ देशों में जीएसटी लागू है। यूरोपियन यूनियन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और चीन जैसे देशों में यह काफी समय से लागू है। हालांकि कुछ देशों में इसके लागू करने के कुछ समय बाद तक महंगाई की समस्या से दो-चार जरूर होना पड़ा था। इस तरह की आशंका भारत में भी जताई जा रही है कि इससे कुछ महंगाई जरूर बढ़ेगी, लेकिन यह कुछ समय के लिए होगी।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

क्या है

1. **भारत में जीएसटी की दरें कई देशों के मुकाबले काफी अधिक हैं।** कनाडा समेत कुछ अन्य देशों में इसकी दरें काफी कम हैं। यही वजह है कि 1 जुलाई से गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) लागू होने के बाद हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा टैक्स देने पड़ेंगे।
2. **भारत में जीएसटी काउंसिल ने पांच दरें तय की हैं जो कि 0 से लेकर के 28 फीसद तक हैं।** इसमें 28 फीसद की दर सबसे ज्यादा है। खास बात यह है भारत पूरे विश्व में एकमात्र ऐसा देश है**, जिसने जीएसटी में कई सारे स्लैब रखे हैं।** अन्य देशों में ज्यादातर गुड्स एंड सर्विसेज पर एक टैक्स वसूला जाता है।
3. **भारत में टैक्स की दरें 0, 5, 12,18 और 28 फीसदी तय की गई हैं।** 0-5 फीसद में उन जरूरी चीजों को रखा गया है, जिनका सीधा ताल्लुक गरीबों से हैं।
4. भारत ने कनाडा में लागू जीएसटी को अपना रोल मॉडल बनाकर के टैक्स लागू किया है, जिसका टैक्स रेट सबसे कम है।
5. विश्व के कई देश जैसे कि ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, कनाडा, जॉर्डन, मोरक्को, न्यूजीलैंड, सिंगापुर आदि में भी वस्तुओं पर जीएसटी वसूला जाता है, लेकिन यह दर भारत के मुकाबले काफी कम है।
6. कई देशों में यह 5 से लेकर 20 फीसदी के बीच है।

किस देश में कितनी हैं जीएसटी की दरें

देश	टैक्स दर (फीसदी में)
ऑस्ट्रेलिया	10
ऑस्ट्रिया	20
बेल्जियम	**21**
कनाडा	**05**
डेनमार्क	**25**
फ्रांस	**20**
जर्मनी	**19**
हंगरी	**27**
इंडोनेशिया	**10**
इजरायल	**17**
इटली	**22**
केन्या	**16**
मलेशिया	**06**
मॉरिशस	**15**
मेक्सिको	**16**

GST लागू होने के बाद अब वस्तुओं एवं सेवाओं पर देने होंगे तीन तरह के कर

पहला	सीजीएसटी यानि सेंट्रल जीएसटी (सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स)	केंद्र सरकार वसूलेगी
दूसरा	एसजीएसटी स्टेट जीएसटी (स्टेट गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स)	राज्य सरकार अपने यहां होने वाले कारोबार पर वसूलेगी

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

तीसरा	आईजीएसटी इंटीग्रेटेड जीएसटी (इंटीग्रेटेड गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स)	दो राज्यों के बीच होने वाला कारोबार

जीएसटी लागू होने के बाद नहीं देने होंगे ये कर
सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी (केंद्रीय उत्पाद शुल्क)
एक्साइज ड्यूटी (उमकपबपदंस दंक जवपसमज चतमचंतंजपवद)
एडिशनल ड्यूटीज ऑफ एक्साइज (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल प्रोडक्ट्स पर)
एडिशनल कस्टम ड्यूटी (सीवीडी)
स्पेशल एडिशन ड्यूटी ऑफ कस्टम (एसएडी)
सर्विस टैक्स (सेवा कर)
वस्तु एवं सेवाओं की आपूर्ति से संबंधित सेस और सरचार्ज
स्टेट वैट
सेंट्रल सेल्स टैक्स
पर्चेज टैक्स
लग्जरी टैक्स
एंट्री टैक्स (ऑल फॉर्म)
एंटरटेनमेंट टैक्स (स्थानीय निकायों की ओर से नहीं लगाए गए)
विज्ञापन पर टैक्स
लॉटरी, सट्टेबाजी और जुए पर कर
स्टेट सेस और सरचार्ज

रियल एस्टेट सेक्टर 7 साल के निचले स्तर पर

आवासीय अचल संपत्ति बाजार अभी नोटबंदी के प्रभाव से जूझ ही रहा था, लेकिन **रेरा की आवश्यकता ने नई लॉन्चिंग के एक बड़े हिस्से की कमर तोड़ दी** और ये **41 फीसद की गिरावट के साथ सात साल** के निचले स्तर पर आ गया। वहीं सालाना आधार पर **सेल्स वॉल्यूम में भी 11 फीसद की गिरावट देखने को मिली,** जो कि बीते पांच सालों में पहली छमाही का निम्नतम आंकड़ा है। **इंडिया रियल एस्टेट** नाम से जारी हुई **नाइट फ्रैंक इंडिया की एक अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट** में ऐसा कहा गया है

क्या है

1. **बेची गई इन्वेंट्री गिरकर 5,96,044 इकाइयों के साथ अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गई,** इसने बाजार के आकार को एक तरह से कम करने का काम किया।
2. **एनसीआर अभी भी 4 साल की इन्वेंट्री की उपलब्धता दर्शाता है** और उन आठ शहरों में रेडी टू पजेशन इन्वेंट्री में इजाफा हुआ है जो तैयार अपार्टमेंट की मांग में भी कमी को दर्शाता है और जहां निष्पादन (एग्जीक्यूशन) का किसी भी तरह का जोखिम भी नहीं है।
3. जनवरी से जून 2017 (पहली छमाही) की अवधि के लिए बाजार के प्रदर्शन के आधार पर इस रिपोर्ट में आवासीय क्षेत्र (आठों शहरों में) और दफ्तरों (आठों शहरों में) का एक व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। वहीं साल 2017 की पहली छमाही में ऑफिस ट्रांजेक्शन भी 10 फीसद गिरकर 18.1 मिलियन वर्ग फीट के स्तर पर पहुंच गया है। साथ ही आपूर्ति भी 5 फीसद की गिरावट के साथ 17.9 मिलियन वर्गफीट के स्तर पर आ गई है। इसे ऑफिस स्पेस की इन्वेंटरी में जोड़ा गया है।

ई-वे बिल सिस्टम अक्टूबर से शुरू

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था के तहत **ई-वे बिल प्रणाली** के अक्टूबर से शुरू होने की संभावना है। **इस प्रणाली में 50 हजार रुपये से अधिक के किसी भी माल को एक से दूसरी जगह ले जाने के लिए पहले से ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।** इसके लिए आवश्यक **सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है।** एक शीर्ष कर अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक जुलाई से जब अप्रत्यक्ष कर की नई व्यवस्था लागू हुई तो उस वक्त तैयारी न होने के कारण ई-वे को कुछ समय के लिए टाल दिया गया था।

क्या है

1. ई-वे बिल का प्रावधान तभी प्रभावी होगा, **जब पंजीयन जारी करने के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया जाएगा।** इन रजिस्ट्रेशन का सत्यापन भी किया जा सकेगा।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

2. इसके लिए कर अधिकारियों को विशेष उपकरण दिए जाएंगे। इन उपकरणों को वे हाथ में लेकर चल सकेंगे। **जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) के साथ नेशनल इंफॉर्मैटिक्स सेंटर (एनआइसी) ई-वे बिल सिस्टम** के लिए सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है।
3. जीएसटीएन ने ही नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के लिए आइटी प्लेटफॉर्म विकसित किया है। केंद्र ने एक और प्रावधान में नरमी का फैसला किया है। इसके तहत 1,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर रही वस्तुओं पर **जीएसटीएन से जारी ई-वे बिल 20 दिन मान्य रहेगा। पहले यह सीमा 15 दिन थी।**
4. **जीएसटी व्यवस्था सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की प्रतिस्पर्धा क्षमता में बढ़ोतरी करेगी।**
5. टैक्स कंसल्टेंसी फर्म ईवाई ने उद्यमों के लिए जीएसटी हेल्पडेस्क शुरू की है। इसमें वे नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था से जुड़े सवालों को ऑनलाइन पूछ सकते हैं। ईवाई जीएसटी हेल्पडेस्क में 800 पेशेवर शामिल हैं। यह सुविधा छोटे व्यवसायों, व्यापारियों और उद्यमियों के लिए मुफ्त है। सवाल ईवाई इंडिया टैक्स इनसाइट्स एप, डिजिजीएसटी वेबसाइट और ट्विटर पर ईवाई अंडरस्कोर इंडिया पर पोस्ट किए जा सकते हैं।

ट्रेड मार्क वाले अनाज पर लगेगा 5 फीसद जीएसटी

वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है **केवल उन ब्रैंडेड अनाज पर ही 5 फीसद की दर से (वस्तु एवं सेवा कर) जीएसटी लगेगा जो ट्रेड मार्क के साथ रजिस्टर्ड हैं।** बाकी के अन्य अनाज छूट के दायरे में बरकरार रहेंगे। आपको बता दें कि सरकार की ओर से यह स्पष्टीकरण उस समय आया है जब रजिस्टर्ड बैंड नेम को लेकर असमंजस की स्थिति चल रही थी।

क्या है

1. **जीएसटी की पांच फीसद दर तब तक वस्तुओं की आपूर्ति पर नहीं लगेगी जबतक कि उसका ब्रैंड नेम या ट्रेड नेम रजिस्टर ऑफ ट्रेड मार्क्स में न हो** और इसे ट्रेड मार्क्स एक्ट, 1999 के तहत ही लागू होना चाहिए।
2. **केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी)** की दर चना, पनीर, नैचुरल हनी, गेहूं और अन्य अनाज, दालें, अनाज का आटा और दालें, साथ ही उन चीजों के अलावा जो यूनिट कंटेनर में होते है और जिनका रजिस्टर्ड ब्रैंड नेम है, निल (0 फीसद) रखी गई है।
3. साथ ही इन सब चीजों की आपूर्ति, जब यूनिट कंटेनर में डाली जाए और उसका रजिस्टर्ड ब्रैंड नेम ही हो तो इनपर 2.5 फीसद की दर से सीजीएसटी लगेगा।

GST के बाद भी बचे रह गए ये 10 तरह के टैक्स

एक जुलाई से लागू हुए वस्तु एवं सेवा कर कानून (जीएसटी) ने भले ही **17 तरीके के टैक्स (केंद्र और राज्य स्तर के) और 23 तरह के सेस (उपकर)** को खत्म कर दिया हो, लेकिन अभी भी **10 तरीके के ऐसे कर हैं** जो आगे भी जारी रहेंगे। हम आपको अपनी खबर में इन्ही 10 करों के बारे में बताने जा रहे हैं।

क्या है

1. **स्टांप ड्यूटी:** प्रॉपर्टी खरीदने के दौरान रजिस्ट्रेशन के वक्त आपको स्टांप ड्यूटी अदा करनी होती है। आपको बता दें कि जीएसटी के अंतर्गत स्टांप ड्यूटी को शामिल नहीं किया गया है। यानी जीएसटी के बाद भी आपको इसे अदा करना होगा।
2. **कस्टम ड्यूटी:** कस्टम ड्यूटी को लेकर अभी भी काफी सारे लोगों में कन्फ्यूजन है। जानकारी के लिए बता दें कि कस्टम ड्यूटी विदेश से आयात होने वाले सामान पर लगाई जाती है। सरकार ने बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा है। यानी आपको आगे भी सरकार की ओर से तय दर से कस्टम ड्यूटी का भुगतान करना होगा।
3. **व्हीकल रजिस्ट्रेशन फीस:** कोई नया वाहन खरीदने पर आपको **आरटीओ में व्हीकल रजिस्ट्रेशन फीस** का भुगतान करना होता है। इसे भी जीएसटी के अंतर्गत नहीं लाया गया है। ऐसे में नई कार की खरीद पर भले ही निर्माता की ओर से आपको जीएसटी का फायदा मिल जाए, लेकिन रजिस्ट्रेशन फीसद में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

4. **शराब पर एक्साइज ड्यूटी:** शराब (लिकर) को भी जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। **शराब पर एक्साइज ड्यूटी को इससे बाहर रखा गया है।** इसे संविधान संशोधन विधेयक के माध्यम से जीएसटी में शामिल किया जाएगा। ऐसे में दो राज्यों के बीच शराब की कीमतों में अभी भी वही अंतर देखने को मिलेगा जैसा कि अभी है। जानकारी के मुताबिक लिकर पर वैट भी बरकरार रहेगा।
5. **बिजली की बिक्री और इसके उपभोग पर टैक्स:** जीएसटी के कार्यकाल में आपके बिजली बिल पर भी कोई खास असर नहीं दिखेगा। यानी बिजली बिल पर अभी लगने वाला वैट और केंद्रीय उत्पायद शुल्क जारी रखेगा। जानकारी के लिए बता दें कि अभी भी राज्योंद के पास इस पर वैट लगाने का और केंद्र के पास एक्साभइज लगाने का अधिकार है।
6. **टोल टैक्स:** भले ही **देश के 22 राज्यों में चेक पोस्ट हटाए जाने का आदेश दे दिया गया हो**, लेकिन राजमार्गों पर लगने वाला टोल टैक्स अभी भी जारी रहेगा। यानी टोल टैक्स का भुगतान आपको पहले की ही तरह करते रहना होगा।
7. **रोड टैक्स:** जब आप कोई नया वाहन खरीदते हैं तो आपको वन टाइम रोड टैक्स का भुगतान करना होता है। यानी पहले की ही तरह आपको जीएसटी के कार्यकाल में भी रोड टैक्स का भुगतान करते रहना होगा। इसे भी जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है।
8. **मंडी शुल्क:** देश में **एक जुलाई से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद केंद्र और राज्य के कई परोक्ष कर समाप्त हो जाएंगे,** लेकिन मंडी में कृषि उपज की बिक्री पर लगने वाला मंडी शुल्क बरकरार रहेगा। मंडी शुल्क की दर देश के अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न है। उत्तर प्रदेश में मंडी शुल्क की दर ढाई फीसद है जिसमें सेस भी शामिल है। राज्य की मंडियों को इससे तकरीबन 1,200 करोड़ रुपये की आय होती है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अलग-अलग राज्यों में इससे कितनी आय होती है। वैसे तो **अधिकांश राज्यों में मंडी शुल्क डेढ़ से दो फीसद है** लेकिन **पंजाब और हरियाणा में यह चार फीसद तक है।** दरअसल मंडी में जब भी कोई किसान अपना माल बेचने जाता है तो उस पर मंडी शुल्क लगता है। हालांकि नीति आयोग के सदस्य और कृषि विशेषज्ञ डा. रमेश चंद कहते हैं कि मंडी शुल्क कोई कर नहीं है क्योंकि इससे प्राप्त होने वाली धनराशि राज्य सरकार के खजाने में नहीं जाती बल्कि इसका इस्तेमाल मंडियों के रख-रखाव, प्रबंधन और स्टॉफ के लिए किया जाता है। इसलिए जीएसटी आने से इसका कोई लेना-देना नहीं है।
9. **पंचायत शुल्क:** वहीं देशभर में मौजूद पंचायतों की ओर से लगाए जाने वाले कर भी यथावत रहेंगे। इन्हें भी जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है लिहाजा ये भी पहले की तरह बरकरार रहेंगे।
10. **म्युनिसिपल टैक्स:** म्युनिसिपल टैक्स भी इन्हीं की तरह एक प्रकार का कर है जो पहले की ही तरह बना रहेगा। जानकारी के मुताबिक म्युनिसिपल टैक्स का जीएसटी से कोई लेना देना नहीं है लिहाजा यह टैक्स भी बना रहेगा।

विज्ञान एवं तकनीकी

विशाल तारे की मौत से नए तारों का जन्म

तारों के जन्म को लेकर वैज्ञानिकों को नए प्रमाण मिले हैं। ताजा अध्ययन के मुताबिक, **विशाल तारों में विस्फोट से नई पीढ़ी के तारों का जन्म होता है।** विशाल तारों की श्रेणी में ऐसे तारे आते हैं, **जिनका आकार सूर्य से 10 गुना या उससे बड़ा हो।** ब्रिटेन की कार्डिफ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को **विशाल तारे सुपरनोवा 1987ए के अध्ययन में इससे जुड़े प्रमाण मिले हैं।** यह विशाल तारा हमारी आकाशगंगा की नजदीकी आकाशगंगा में धरती से **करीब 1,63,000 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है।**

क्या है

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

1. वैज्ञानिकों ने इस तारे में विस्फोट के बाद इसके ठंडे पड़ चुके **मलबे में फॉर्मिलियम और सल्फर मोनो ऑक्साइड के अणु देखे हैं।** पहले माना जाता था कि तारे में विस्फोट के बाद सब नष्ट हो जाता है। नए प्रमाण इसके विपरीत हैं।
2. वैज्ञानिकों का कहना है कि बड़े तारे में विस्फोट से विभिन्न अणुओं और धूल के बेहद कम तापमान वाले बादल बन जाते हैं। ये स्थितियां काफी कुछ वैसी ही होती हैं, जैसी नए तारों के निर्माण के समय देखी गई हैं। वैज्ञानिक मिकाको मतसुरा ने कहा कि **जैसे-जैसे विस्फोट के बाद मलबे का तापमान गिरकर 200 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचता है,** विभिन्न अणु एक-दूसरे से मिलकर बड़े और भारी अणु बनाने लगते हैं। इसी प्रक्रिया से नए तारों का निर्माण होता है।

बिग डेटा एनालिस्ट सेक्टर

भारत में बिग डेटा एनालिस्ट सेक्टर के आठ गुना विस्तार होने की उम्मीद है। मौजूदा समय में **यह सेक्टर 2 बिलियन डॉलर की इकोनॉमी है** जो **साल 2025 तक 16 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है।** इंडस्ट्री से जुड़े एक्सपर्ट्स का कुछ ऐसा ही मानना है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि साल 2025 तक यह 16 बिलियन डॉलर का हो जाएगा **और अगले पांच सालों में सीएजीआर के 26 फीसद तक पहुंचने का अनुमान है।**

क्या है

1. **भारत मौजूदा समय में दुनिया के टॉप 10 बिग डेटा एनालिस्ट मार्केट में से एक है।** नैस्कॉम ने अगले तीन सालों के भीतर देश को शीर्ष तीन बाजारों में से एक बनाने का लक्ष्य रखा है।
2. डब्ल्यूएनएस ग्लोबल सर्विस ग्रुप के सीईओ केशव मुर्गेश ने बताया, "सरकार, उद्योग और शिक्षा एक पारिस्थितिक तंत्र बनाने के लिए सहयोग कर सकते हैं ताकि **डिजिटल इनोवेशन और बड़े डेटा की शक्ति का उपयोग करके टिकाऊ समाधान उत्पन्न किया जा सके।"**
3. बड़े डेटा और डिजिटल समाधानों का उपयोग करने की संयुक्त शक्ति लोगों के अनुभव को बेहतर बनाने, कार्यान्वयन दक्षता और **राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने वाले परिणाम दे सकते हैं।**
4. एमआईटी मीडिया लैब के सहयोग से इंडियन स्कूल ऑफ डिजाईन एंड इनोवेशन (आईएसडीआई) की ओर से आयोजित इमर्जिंग वर्ल्ड कांफ्रेंस वर्कशॉप में बोलते हुए मुर्गेश ने कहा, "भारत एक विविधतापूर्ण देश है जिसमें कई तरह की चुनौतियां भी शामिल हैं। और यह बेहतर है कि हम इस देश के नागरिक हैं, यह प्रभावी समाधान ढूंढने का नया तरीका है जो यहां रहने वाले करोडों लोगों पर असर डाल सकता है।"

बैंकरप्सी प्रोसीडिंग नए कानून के सामने बड़ी चुनौती

पहली बार नए **दिवालियापन नियमों का परीक्षण करने के लिए, जिसका उद्देश्य देश के 150 अरब डॉलर के खराब कर्ज के मुद्दे को हल करना है,** जनवरी महीने के दौरान **पुणे स्थित एक विशेष इस्पात निर्माता इनोवेन्टिव इंडस्ट्रीज** को उसके उधारदाताओं ने दिवालियापन अदालत में खींच लिया था। गौरतलब है कि **यह कंपनी फोर्ड, वोक्सवैगन और टाटा मोटर्स समेत कई बड़े ग्राहकों के लिए स्टील ट्यूब और ऑटो पार्ट्स बनाती है।**

क्या है

1. **पुणे की इस कंपनी ने साल 2016 के दौरान लगातार तीसरे साल वार्षिक घाटा दर्ज कराया है।** आईसीआईसीआई बैंक, जो कि इसका सबसे बड़ा कर्जदाता बैंक है, ने **इसी साल इसे बैंकरप्सी प्रोसीडिंग के लिए अदालत में खींचा है।**
2. इनोवेन्टिव के खिलाफ लगभग छह महीने की कार्यवाही को राष्ट्रीय दिवालियापन कानून के लिए एक परीक्षण मामले के तौर पर देखा जा रहा है जिसमें नए नियम की दक्षता के बारे में सवाल उठाए जा रहे हैं कि नियामक उधारदाताओं को मजबूर कर रहे हैं कि वो अपना कर्ज वसूलें।
3. **नए दिवाला और दिवालियापन संहिता का उद्देश्य एक ही मंच पर कंपनी की ओर से लोन डिफाल्ट के मामलों को स्थानांतरित करना है।** यह उस प्राचीन प्रणाली की जगह ले लेगा जिसके तहत बैंक, कंपनी के प्रमोटर और अन्य लेनदार सभी अदालतों, ट्रिब्यूनल और क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा की कार्यवाही शुरू कर सकते थे।

'जूनो' यान को मिली यह बड़ी सफलता

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

सालभर से **सौरमंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति का चक्कर लगा रहे नासा के अंतरिक्ष यान जूनो** ने बड़ी सफलता हासिल की है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया कि **जूनो ने सफलतापूर्वक बृहस्पति के लाल धब्बे (ग्रेट रेड स्पॉट) के करीब से उड़ान भरी है।** ग्रेट रेड स्पॉट एक भयंकर तूफान है, जो करीब 350 साल से इस ग्रह पर बना हुआ है।

क्या है

1. वैज्ञानिकों ने बताया कि **रेड स्पॉट से गुजरते समय जूनो के सभी उपकरण और कैमरे सही तरह से काम कर रहे थे।** इसने महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाए हैं, जो जल्द ही धरती पर स्थित प्रयोगशाला तक पहुंच जाएंगे। इसकी तस्वीरें जल्द जारी की जाएंगीं।
2. वैज्ञानिक स्कॉट बोल्टन ने कहा, कई पीढ़ी से लोग रेड स्पॉट को लेकर उत्सुक हैं। अंतत: अब हम इसे करीब से जानने वाले हैं। **ग्रेट रेड स्पॉट नाम का यह तूफान 16,000 किलोमीटर में फैला है।**
3. 1830 से वैज्ञानिक इस पर नजर रखे हुए हैं। अनुमान है कि बृहस्पति पर यह तूफान 350 साल से ज्यादा समय से बना हुआ है। फिलहाल कुछ समय से इसका फैलाव कम होने के संकेत मिले हैं।

पहली बार अमेरिका से कच्चा तेल आयात करेगा भारत

अमेरिका के साथ लगातार मजबूत होते रिश्तों की एक और बानगी मिली है। **अब तक ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर भारत ने अमेरिका की ओर रुख किया है। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक** भारत ने अमेरिका से क्रूड (कच्चा तेल) आयात के लिए पहला करार किया है। **क्रूड की पहली खेप अक्टूबर में भारत पहुंचने की उम्मीद है।**

क्या है

1. सार्वजनिक क्षेत्र की **इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आइओसी)** ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के कुछ ही सप्ताह के अंदर यह करार किया है। प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका भारत को और अधिक ऊर्जा उत्पादों के निर्यात पर विचार कर रहा है।
2. **आइओसी के डायरेक्टर (फाइनेंस) एके शर्मा** ने कहा कि **हमने उत्तरी अमेरिका से 20 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा है।** इसमें 16 लाख बैरल यूएस मार्स क्रूड और चार लाख बैरल वेस्टर्न कैनेडियन सेलेक्ट शामिल है। यूएस मार्स भारी, उच्च सल्फर ग्रेड का क्रूड है। इसका प्रसंस्करण आईओसी की ओड़िशा स्थित पारादीप रिफाइनरी में होगा।
3. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि परिवहन लागत को भी जोड़ा जाए तो अमेरिकी कच्चे तेल की खरीद हमारे लिये काफी लागत प्रतिस्पर्धी है। शर्मा ने बताया कि यदि बाजार की स्थिति ऐसी खरीद के लिये अनुकूल रही तो कंपनी अमेरिका से और कच्चा तेल खरीदेगी।

पृथ्वी के आकार का सबसे छोटा तारा

खगोलशास्त्रियों ने ब्रह्मांड का सबसे छोटा तारा खोज निकला है। यह नया तारा आकार में शनि ग्रह से थोड़ा बड़ा है। माना जा रहा है कि **इसकी कक्षा में पृथ्वी के आकार के ग्रह मौजूद हैं।** ब्रिटेन की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लगभग 600 प्रकाश वर्ष दूर स्थित इस तारे को ढूंढ निकाला है। इसे EBLM J0555-57Ab नाम दिया गया है।

क्या है

1. शोधकर्ता के मुताबिक **इससे छोटे तारे का होना संभव नहीं है** क्योंकि **हाइड्रोजन के नूक्ली को हीलियम में विलय के लिए जितना वजन होना चाहिए, इसका वजन उतना ही है।** अगर इससे कम वजन होगा तो तारे के भीतर का दबाव इस प्रक्रिया को संपूर्ण ही नहीं होने देगा।
2. शनि ग्रह से थोड़े से बड़े इस तारे के सतह का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव **हमारी पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण से 300 गुना अधिक है।**
3. शोधकर्ता के मुताबिक यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके कक्ष में पृथ्वी जैसे ग्रह मौजूद है, जिनकी सतहों पर पानी के मौजूद होने की संभावना है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

4. कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के स्नातकोत्तर के छात्र एलेक्सेंडर बॉयटिशर ने बताया, हमारे अनुसंधान से पता चला कि कोई तारा कितना छोटा हो सकता है। अगर इस तारे का वजन इससे थोड़ा भी कम होता तो तारा बनने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पाती।

हमारी आकाशगंगा से 1000 गुना ज्यादा चमकीली गैलेक्सी मिली

वैज्ञानिकों ने **हमारी आकाशगंगा (मिल्की वे) से 1000 गुना ज्यादा चमकीली गैलेक्सी (आकाशगंगा) की खोज की है।** स्पेन की वेधशाला में वैज्ञानिकों ने ग्रान टेलिस्कोपियो केनेरियास (जीटीसी) की मदद से इसे खोजा है। इस आकाशगंगा की जानकारी एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित की गई है।

क्या है

1. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वाइस सेटेलाइट और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्लांक सेटेलाइट से मिले आंकड़ों की मदद से वैज्ञानिकों ने इस सबसे चमकीली आकाशगंगा को खोजा।
2. स्पेन की टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ कार्टाजेना के शोधकर्ता डियाज सैजेच ने कहा बताया कि इस आकाशगंगा में तारों के निर्माण की गति बहुत तेज है।
3. अध्ययन के मुताबिक **इसमें सालाना 1000 सौर द्रव्यमान के बराबर तारों का निर्माण हो रहा है।** वहीं हमारी आकाशगंगा में महज दो सौर द्रव्यमान के बराबर तारों का निर्माण होता है। इसे ब्रह्मांड में सबसे तेज तारों के निर्माण वाला क्षेत्र भी माना जा रहा है।

इस ग्रह पर कभी नहीं पहुंच सकेगा इंसान

अमेरिका की **नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा)** ने भले ही सूर्य के सबसे नजदीक पहुंचने वाले मिशन की घोषणा कर दी हो लेकिन **शुक्र की ताकत के आगे उसकी एक नहीं चल रही है।** दरअसल, **शुक्र का वातावरण मंगल या चांद की तरह नहीं है।** इस ग्रह की भौगोलिक परिस्थितियों के बारे में जानकर विशेषज्ञ भी हैरान हैं। आइए जानते हैं क्यों नासा शुक्र ग्रह की जमीन पर उतरने में असहज महसूस कर रहा है।

1. **मंगल, चांद और सूर्य के रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश में जुटे नासा के वैज्ञानिकों को शुक्र से काफी निराशा हाथ लगी है।** शुक्र का वातावरण हमारी आकाशगंगा में सबसे जटिल ग्रहों में से एक है।
2. अमेरिकी अंतरिक्ष एंजेसी नासा के वैज्ञानिक शुक्र पर अपनी जीत का परचम इसलिए नहीं फहरा पाए **क्योंकि वहां जहरीली गैसों, अम्लीय वर्षा और तेज हवाओं का जटिल जाल बिछा है** जो किसी भी बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी के लिए तोड़ना बड़ा ही मुश्किल है।
3. **इस ग्रह पर हवा की औसतन गति 354 प्रति किलोमीटर है,** जो किसी भी मजबूत रोबोट और अंतरिक्ष यान को मिनटों में क्षतिग्रस्त कर सकता है।
4. शुक्र तक अपने अंतरिक्ष यान को पहुंचाना कोई बड़ी बात नहीं है क्योंकि **वहां पहुंचने में 100 दिन का समय लग सकता है।** मगर उसकी सतह पर अंतरिक्ष यान लैंड कराना बेहद ही मुश्किल है। क्योंकि वहां के बादल बेहद ही घने हैं और वे **जहरीली सल्फर डाइऑक्साइड का एक बेजोड़ मिश्रण हैं।**
5. इसके अलावा अगर बादलों से बचते हुए शुक्र ग्रह के वायुमंडल में अंतरिक्ष यान प्रवेश करता है तो उसे **354 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं का सामना करना होगा,** जो अंतरिक्ष यान की गति के सामने और कई गुना बढ़ जाएगी। तेज गति की समस्या से अगर यान छुटकारा पा भी लेता है तो उसे जहरीले गैसों के वातावरण का सामना करना होगा जो मजबूत से मजबूत धातु को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस ग्रह पर सल्फ्यूरिक अम्ल की बारिश होती है जो किसी भी यान के बारीकी भाग को खराब करने के लिए काफी है।
6. इस **ग्रह के वायुमंडल का तापमान 315 डिग्री सेल्सियस है** जबकि पृथ्वी के धरातल का तापमान औसतन 40 डिग्री सेल्सियस है। अम्लीय बारिश झेलने के बाद एक **अंतरिक्ष यान में 315 डिग्री सेल्सियस तापमान पर आग भी लग सकती है।** इसके अलावा शुक्र ग्रह के धरातल का तापमान वायुमंडल के तापमान से लगभग दोगुना करीब **470 डिग्री सेल्सियम है।** इस ग्रह पर दिन और रात का तापमान एक समान रहता है। यहां पूरे साल इसी तरह का तापमान रहता है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

7. **शुक्र ग्रह के बादल लगभग 90 फीसदी सूर्य की किरणों को परावर्तित यानी रिफ्लेक्ट कर देते हैं** जिससे शुक्र ग्रह के धरातल पर मात्र **10 फीसदी से कम ही सूर्य की किरणें पहुंच पाती हैं।** ऐसे में इस ग्रह के धरातल पर दिन के समय भी काफी अंधेरा रहता है जिस वजह से यहां मात्र 2 किलोमीटर दूर स्थित ऑब्जेक्ट को ही देखा जा सकता है।
8. शुक्र का वायुमंडल अत्यंत घना है, जो मुख्य रूप से **कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन की एक छोटी मात्रा से मिलकर बना है।** वायुमंडलीय द्रव्यमान पृथ्वी के वायुमंडल की तुलना में 93 गुना है, जबकि ग्रह की सतह का दबाव पृथ्वी के सतही दबाव की तुलना में 92 गुना है।
9. यह दबाव पृथ्वी के महासागरों की एक किलोमीटर करीब की गहराई पर पाए जाने वाले दबाव के बराबर है। यहां का **कार्बनडाइऑक्साइड बहुल वायुमंडल, सल्फर डाइऑक्साइड** के घने बादलों के साथ-साथ, सौर मंडल का सबसे शक्तिशाली ग्रीन हाउस प्रभाव उत्पन्न करता है।

विविध

'ग्रेट इमिग्रेंट अवॉर्ड' से सम्मानित

अमेरिका में भारतीय मूल के दो अमेरिकियों को हर साल दिये जाने वाले **ग्रेट इमिग्रेंड अवॉर्ड 2017** के लिए चुना गया है। इनमें से एडोब के प्रमुख **शांतनु नारायन और पूर्व अमेरिकी सर्जन जनरल विवेक मूर्ति हैं** जिन्हें इस से अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। ये दोनों उन 38 लोगों में शामिल हैं **जिन्हें देश के समाज, संस्कृति और आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिये हैं।** 4 जुलाई को मनाए जाने वाले अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के दिन इन्हें **वार्षिक सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।** 39 वर्षीय मूर्ति का जन्म युके में हुआ है और वे हार्वर्ड और येल युनिवर्सिटी के पूर्व छात्र रह चुके हैं। उन्हें 2014 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के द्वारा इस पद पर पहले सबसे कम उम्र के भारतीय-अमेरिकी के तौर नियुक्त किया गया था।

क्या है

1. **हालांकि ट्रंप प्रशासन के बाद मूर्ति को इस साल अप्रैल में उनके पद से हटा दिया गया था।** 54 वर्षीय नारायण जो हैदराबाद के हैं और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्रीधारी हैं, इसके अलावा कंप्युटर साइंस में स्नातकोत्तर हैं साथ ही युसी बरकेले से एमबीए हैं।
2. वे अमेरिकी-भारत व्यापार परिषद के बोर्ड के सदस्य भी हैं। वे उन सीईओ में भी शामिल थे जो इस सप्ताह वाशिंगटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति से द्विपक्षीय वार्ता के दौरान मौजूद थे। इन दोनों के अलावा अन्य सम्मानित व्यक्तियों में कनाडा के सोशल आंत्रप्रेन्योर जेफ स्कोल जिन्हें 2017 में फिलेन्थ्रॉपी के कार्नेज मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। पेपल के कोफाउंडर युक्रेन के मैक्स लेवचीन, ईरानी मूल के फिलान्थ्रॉपिस्ट और ऑत्रप्रेन्योर हुसांग अंसारी हैं।
3. **2006 के बाद से हर साल न्यूयॉर्क कार्नेज निगम नागरिकों के उल्लेखनीय योगदान को पहचान कर उन्हें सम्मानित करता रहा है।** 2017 के लिए 30 से अधिक देशों से इनका चयन किया गया है जो कई क्षेत्रों में पेशेवर नेतृत्व के उच्च स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं।
4. न्यूयॉर्क के कार्नेगी कॉरपोरेशन के अध्यक्ष, कार्टन ग्रेगोरीयन ने कहा, ष्यह अभियान हमें यह याद दिलाता है कि दूसरे देश के इन नागरिकों का संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रगति में कितना योगदान है। आज हम उन्हें धन्यवाद कहते हैं।
5. **न्यूयॉर्क का कार्नेज कार्पोरेशन 1911 में स्कॉटिश इमिग्रेंट एंड्रयु कार्नेज के द्वारा स्थापित किया गया था।** कार्पोरेशन का एजेंडा अतर्राष्ट्रीय शांति, शिक्षा और ज्ञान को बढ़ावा देना और एक मजबूत लोकतंत्र निर्माण में सहयोग पर फोकस करना है।

मानव जीवन काल की सीमा का कोई सबूत नहीं

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

मानव जीवनकाल की सीमा पर अभी भी शोधकर्ताओं और जीवविज्ञानियों में मतभेद व्याप्त है। मानव जीवनकाल की सीमा बताते सिद्धांतों को चुनौती देते हुए कनाडाई शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन के बाद आई रिपोर्ट में कहा है कि इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि **मानव जीवनकाल में पहले की अपेक्षा बढ़ोत्तरी बंद हो गई** है। इससे पूर्व किये गए अध्ययनों में शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला था कि **मानव उम्र की अधिकतम सीमा लगभग 115 वर्ष है।**

क्या है

1. हालांकि जर्नल नेचर में प्रकाशित नए अध्ययन के अनुसार, इस तरह की **जीवनकाल सीमा का कोई सबूत नहीं मिला है।** कनाडा के मैकगिल विश्वविद्यालय के जीवविज्ञानी साइगफ्रेड हेकीमी ने कहा, 'यदि इस तरह की अधिकतम आयु सीमा की मौजूदगी है, तो वहां तक अभी हमारी पहुंच नहीं है। हकीमी ने कहा, हमें नहीं पता है कि उम्र सीमा क्या हो सकती है।
2. वास्तव में, मानव जीवन में सुधार करके हम यह दिखा सकते हैं कि अधिकतम और औसत जीवनकाल निकट भविष्य में बढ़ाई जा सकती हैष। यद्यपि कुछ वैज्ञानिक तर्क देते हैं कि प्रौद्योगिकी, चिकित्सा के हस्तक्षेप और रहने की स्थिति में सुधार के बाद अधिकतम सीमा पाई जा सकती है।
3. हकीमी ने कहा, यह भविष्यवाणी करना असंभव है कि इंसानों में भावी जीवनशैली किस तरह हो सकती हैं। **तीन सौ साल पहले, बहुत से लोग कम आयु का जीवन जी रहे थे।** अगर तब हमने उनसे कहा होता कि एक दिन ज्यादातर इंसान 100 साल तक जीवित रहेंगे, तो उन्होंने हमें जरुर पागल कहा होता।'

भारतवंशी ने जीती अमेरिका की शीर्ष प्रतियोगिता

अमेरिका में **भारतीय मूल के सिख छात्र जेजे कपूर ने राष्ट्रीय भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता जीत ली है।** यह अमेरिका में हाईस्कूल स्तर की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता मानी जाती है। **जेजे ने लेट्स डांस शीर्षक वाले अपने भाषण को खुद लिखा।** उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत बॉलीवुड से की और एक सिख-अमेरिकी के तौर पर अपने अनुभवों का जिक्र किया। उन्हें मौलिक वक्ता श्रेणी में विजेता चुना गया।

क्या है

1. वेस्ट डेस मोइन कम्युनिटी स्कूल के अनुसार, **सेमीफाइनल और फाइनल राउंड में शीर्ष स्थान पर रहने वाले कपूर ने चौंपियनशिप ट्राफी हासिल की।**
2. उन्होंने अपने भाषण में कहा, श्मैंने पाया कि बॉलीवुड कहानी और वास्तविकता को अलग करता है और इन्हें भारत की सीमाओं से परे ले जाता है।श
3. आयोवा के वैली हाईस्कूल में पढ़ने वाले कपूर ने 11 सितंबर, 2001 के आतंकी हमले के बाद सिख और मुस्लिमों की पहचान को लेकर अपने अनुभवों को भी साझा किया। आतंकी हमले के समय वह महज दो साल के थे।

विंबलडन के 140 साल

विंबलडन के 140 साल पूरा होने पर गूगल ने डूडल के जरिए अपने तरीके से विश किया है। इस डूडल को **अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, आस्ट्रिया, बांग्लादेश,** समेत कई अन्य देशों में मनाया जा रहा है। **विंबलडन विश्व का सबसे पुराना टेनिस टूर्नामेंट है। विंबलडन की शुरुआत 1877 में हुई थी। पहले विंबलडन का आयोजन ऑल इंग्लैंड क्रॉकेट और लॉन टेनिस क्लब में हुआ था।** ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस एंड क्रोक्वेट क्लब एक निजी क्लब है, जिसकी स्थापना 1868 में मूल रूप से 'द ऑल इंग्लैण्ड क्रोक्वेट क्लब के रूप में की गयी थी। ऑल इंग्लैंड क्लब का पहला मैदान वोर्पल रोड पर 4 एकर में फैला था।

विंबलडन की 5 खास बातें

1. **विंबलडन दुनिया में सबसे पुराना टेनिस टूर्नामेंट है** और इसे सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के रूप में जाना जाता है। **1877 के बाद से यह प्रतियोगिता लंदन के ऑल इंग्लैण्ड क्लब में आयोजित की जाती रही है।** यह चार ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट्स में से एक है और यह एकमात्र प्रतियोगिता है, जिसे आज भी **खेल की मूल सतह, घास, पर खेला जाता है,** जिससे लॉन टेनिस को इसका नाम मिला।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

2. **विंबलडन जून के अंत में और जुलाई के प्रारंभ में दो सप्ताहों से अधिक समय के लिए खेली जाती है,** जिसमें महिलाओं और पुरुषों के सिंगल्स फाइनल का आयोजन क्रमश: दूसरे शनिवार और रविवार को किया जाता है। हर साल, पांच प्रमुख प्रतिस्पर्धाओं और चार जूनियर प्रतिस्पर्धाओं और चार प्रोत्साहक प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है।
3. **हार्ड कोर्ट ऑस्ट्रेलियन ओपन और क्ले कोर्ट फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट कैलेंडर वर्ष में विंबलडन से पहले खेली जाती है।** इसके बाद हार्ड कोर्ट यूएस ओपन का आयोजन होता है। प्रतियोगियों के लिए एक अनिवार्य ड्रेस कोड विंबलडन की परंपराओं का एक हिस्सा है, साथ ही स्ट्रॉबेरी और क्रीम को भोजन में शामिल किया जाना और शाही संरक्षण भी इसकी परम्पराओं में शामिल हैं।
4. **2009 में, विम्बलडन के सेंटर कोर्ट को ऐसी समेटी जा सकने वाली छत से ढका गया,** जिससे खेल प्रतियोगिता के दौरान सेंटर कोर्ट में खेले जाने वाले मैचों में वर्षा के कारण आने वाली बाधा को दूर किया जा सके और इससे होने वाली देरी से बचा जा सके।
5. **विंबलडन को व्यापक रूप से विश्व में प्रमुख टेनिस टूर्नामेंट माना जाता है।** द ऑल इंग्लैण्ड लॉन टेनिस क्लब, जो इन खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करता है। वहीं, विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट हर साल दो हफ्तों के लिए 500,000 से अधिक दर्शकों को आकर्षित करती है।

भारत को मिलेगा गार्जियन ड्रोन

अमेरिका के सरकारी सूत्रों ने यहां कहा कि **विदेश विभाग ने भारत को 22 प्रीडेटर गार्जियन ड्रोन के निर्यात के लिये अनिवार्य लाइसेंस जारी कर दिया है।** यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई पहली द्विपक्षीय मुलाकात के कुछ ही दिनों बाद उठाया गया है। **विदेश विभाग ने 'डीएसपी-5 गार्जियन निर्यात लाइसेंस जारी' किया है.** डीएसपी-5 श्रेणी लाइसेंस सैन्य सामग्री के स्थायी निर्यात के लिये जारी किया गया है। **गार्जियन ड्रोन से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की नौवहन निगरानी क्षमताओं में इजाफा होगा।**

क्या है

1. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 27 जनू को अपने रक्षा सहयोग को और प्रगाढ़ करने का संकल्प लिया और अमेरिका ने दुश्मनों के छक्के छुड़ाने में सक्षम **'गार्जियन ड्रोन'** की बिक्री भारत को करने की मंजूरी दे दी।
2. व्हाइट हाउस में आयोजित भारत अमेरिका शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि अमेरिका के करीबी सहयोगियों की तर्ज पर ही अमेरिका और भारत ने एक समान स्तर पर अत्याधुनिक रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी पर मिलकर काम करने की उम्मीद जतायी।
3. इसी भागीदारी को प्रदर्शित करते हुए अमेरिका ने समुद्री रक्षा से संबंधित 'सी गार्जियन अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स' की बिक्री के संबंध में भारत के विचार को लेकर अपनी पेशकश की है। इससे भारत की क्षमता में विस्तार होगा और साझा रक्षा हितों का प्रसार होगा।

IGI बना विश्व का नंबर वन एयरपोर्ट

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट को सुरक्षा की दृष्टि से विश्व के अन्य एयरपोर्ट के मुकाबले सबसे बेहतरीन एयरपोर्ट माना गया है। वर्ल्ड क्वॉलिटी कांगेस (डब्ल्यूक्यूसी) ने इसे श्बेस्ट एयरपोर्ट सिक्यॉरिटीश के खिताब से नवाजा है। आईजीआई की सुरक्षा की जिम्मेदारी **केंद्रीय अर्धसैनिक बल (सीआईएसएफ) के पास है।**

क्या है

1. यह पहली बार है **जब डब्ल्यूक्यूसी ने सुरक्षा के लिहाज से किसी केंद्रीय अर्धसैनिक बल के स्टैंडर्ड और प्रफेशनलिज्म को सम्मानित किया है।**
2. **डब्ल्यूक्यूसी एक ऐसी स्वतंत्र संस्था है जो अच्छी सेवा के लिए प्राइवेट कंपनियों को सम्मानित करती है।** सीआईएसएफ को यह अवॉर्ड 6 जुलाई को दिया जाएगा। हर साल करीब 5.6 करोड़ यात्री आईजीआई एयरपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

3. तीन महीने पहले अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी ने दिल्ली एयरपोर्ट की सुरक्षा को हीथ्रो, लॉस एंजेलिस, दुबई और पेरिस एयरपोर्ट से भी बेहतर बताया था।
4. करीब 4,000 सीआईएसएफ के ट्रेंड जवान हर समय दिल्ली एयरपोर्ट के घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल पर तैनात रहते हैं।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त

चुनाव आयुक्त अचल कुमार ज्योति को देश का 21वां मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) नियुक्त किया गया है। वह मौजूदा सीईसी नसीम जैदी की जगह लेंगे। नसीम जैदी 5 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। विधि मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। बताया गया है कि नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान 64 वर्षीय अचल कुमार ज्योति सूबे के मुख्य सचिव रह चुके हैं। **वह छह जुलाई को सीईसी का कार्यभार संभालेंगे।**

क्या है

1. **1975 बैच के आइएएस अधिकारी ज्योति ने आठ मई, 2015 को चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था।** वह अगले साल 17 जनवरी तक मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर रहेंगे।
2. **मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त का कार्यकाल अधिकतम छह वर्ष या 65 साल की उम्र (इनमें से जो भी पहले हो) तक होता है।**
3. मौजूदा सीईसी के अवकाश ग्रहण करने के कारण निर्वाचन आयोग में खाली हो रहे चुनाव आयुक्त के एक पद को भरने के लिए सरकार जल्द कदम उठा सकती है।
4. जैदी के रिटायरमेंट के बाद आयोग में मनोनीत सीईसी ज्योति के अलावा ओमप्रकाश रावत ही एकमात्र चुनाव आयुक्त रह जाएंगे।

वैश्विक वृद्धि का अगुवा बना रहेगा भारत: रिपोर्ट

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक नए अध्ययन में कहा गया है कि **भारत वैश्विक वृद्धि के स्तंभ के रूप में उभरा है और दशकों तक यह चीन से बढ़त बनाए रखेगा।** हार्वर्ड विश्वविद्यालय के **सेंटर फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट** के वद्धि अनुमानों के अनुसार भारत कई कारणों से **7.7 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर** के साथ 2025 तक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शीर्ष पर बना रहेगा।

सीआईडी के शोध में कहा गया है कि

1. **वैश्विक वृद्धि का केंद्र पिछले कुछ साल में चीन से पड़ोसी भारत की ओर स्थानांतरित हुआ है।** आगामी दशक में यह कायम रहेगा। अध्ययन में कहा गया है कि आज की तारीख तक भारत ने जो क्षमताएं हासिल की हैं, उनके मद्देनजर वह विविध क्षेत्रों में उतरने को लेकर बेहतर स्थिति में है, जिससे उसकी तेज वृद्धि की संभावनाएं कायम रहेंगी।
2. **भारत ने अपने निर्यात आधार का विविधीकरण किया है** और इसमें रसायन, वाहन और कुछ इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अधिक जटिल क्षेत्रों को शामिल किया है।
3. **प्रमुख पेट्रोलियम अर्थव्यवस्थाएं एक संसाधन पर निर्भर रहने का प्रभाव झेल रही हैं।** वहीं भारत, इंडोनेशिया और वियतनाम ने नई क्षमताएं हासिल की हैं, जो अधिक विविध और अधिक जटिल उत्पादन की अनुमति देता है, जो आगामी वर्षों में तेज वृद्धि का संकेत देता है।
4. आथर्कि वृद्धि एक आसान तरीका नहीं चुनती। भारत, तुर्की, इंडोनेशिया, यूगांडा और बुल्गारिया जैसे देशों के तेज वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है और ये सभी देश राजनीतिक, संस्थागत, भौगोलिक और **जनसांख्यिकीय रूप में विविधता रखते हैं।**

अनोखा जापानी द्वीप भी बना विश्व धरोहर

धार्मिक रूप से पवित्र माने जाने वाले जापान के **ओकिनोशिमा द्वीप को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है। इस द्वीप पर सिर्फ पुरुषों को प्रवेश की इजाजत** है यानी महिलाओं को यहां जाने की अनुमति नहीं है। यही नहीं, इस पर आने वाले पुरुषों को समुद्र तट पर जाने से पहले अपने पूरे कपड़े उतारने पड़ते हैं।

क्या है

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

1. **दक्षिण-पश्चिम क्यूशू द्वीप और कोरियाई प्रायद्वीप ओकिनोशिमा के बीच स्थित** यह द्वीप चौथी शताब्दी तक समुद्री सुरक्षा के लिए प्रार्थना स्थल और **चीन व कोरिया के बीच संबंधों का केंद्र था।**
2. पोलैंड में **संयुक्त राष्ट्र के संगठन यूनेस्को की सालाना बैठक में 700 वर्ग मीटर में फैले इस द्वीप,** इससे लगते तीन रीफ और चार अन्य संबंधित स्थलों को विश्व धरोहर का दर्जा दिया गया है।
3. इस सूची में **अब जापान के सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है।** ओकिनोशिमा पर जाने वाले लोगों को वहां की कोई भी यादगार चीज अपने साथ लाने की इजाजत नहीं है।
4. वहां से कंकड़-पत्थर और घास तक लाने की मनाही है। महिलाओं के प्रवेश पर रोक समेत पुराने समय से चली आ रहीं सभी पाबंदियां आज भी इस द्वीप पर मानी जाती हैं।
5. ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में स्थित एक बंदरगाह को भी यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। 1779 में निर्मित वेलोंगो वार्फ को तीन सदी तक संचालित किया गया। यह उस दौर में ब्राजील में लाखों अफ्रीकी गुलामों के प्रवेश का सबसे व्यस्त केंद्र था।

'कश्मीर राग' में अब चीन भी शामिल

डोकलाम के मुद्दे पर जिस अंदाज में भारत की तरफ से चीन को जवाब दिया गया, उसके बाद वो पूरी तरह से बौखला चुका है। चीन को इस दफा शायद उम्मीद नहीं थी कि भारत इतना दृढ़ता के साथ जवाब देगा। अपने पड़ोसी देशों की जमीन और संसाधनों पर गिद्ध की तरह नजर रखने वाले चीन को अब यकीन हो चला है कि अब भारत को दबाया नहीं जाया सकता है, लिहाजा **उसने कश्मीर पर चाल चली।** चीन के कुछ विचारकों ने ये कहना शुरू कर दिया कि **जिस तरह से भारत, भूटान की दोस्ती का हवाला देकर डोकलाम में उसे सहयोग दे रहा है, ठीक वैसे ही कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान को चीन मदद कर सकता है।**

क्या है

1. चीनी विचार समूह के एक विश्लेषक ने कहा कि जिस तरह **भूटान की ओर से सिक्किम सेक्टर के डोकलाम इलाके में सड़क निर्माण से चीनी सेना को भारतीय सेना ने रोका,** उसी तर्क का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान के आग्रह पर कश्मीर में श्तीसरे देशश की सेना घुस सकती है।
2. अगर **भारत से भूटान के क्षेत्र को बचाने का आग्रह किया भी जाता है तो यह उसके स्थापित क्षेत्र तक हो सकता है, विवादित क्षेत्र के लिए नहीं।** भारत के तर्क के हिसाब से अगर पाकिस्तान सरकार अनुरोध करे तो तीसरे देश की सेना भारत नियंत्रित कश्मीर सहित भारत और पाकिस्तान के बीच विवादित क्षेत्र में घुस सकती है।
3. चीन के सरकारी मीडिया ने डोकलाम तकरार पर भारत की आलोचना करते हुए कई आलेख प्रकाशित किए हैं, लेकिन पहली बार संदर्भ में पाकिस्तान और कश्मीर को लाया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से 30 जून को जारी बयान का जिक्र करते हुए इसमें कहा गया है, भारतीय सैनिकों ने भूटान की मदद के नाम पर चीन के डोकलाम इलाके में प्रवेश किया,लेकिन घुसपैठ का मकसद भूटान का इस्तेमाल करते हुए भारत की मदद करना है।
4. लंबे समय से भारत अंतरराष्ट्रीय समानता और दूसरों के आतंरिक मामलों में दखल नहीं देने के बारे में बात करता रहा है लेकिन **दक्षिण एशिया में उसने आधिपत्य वाली कूटनीति अपनाकर संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र का सरासर उल्लंघन किया है** और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी सिद्धांतों को नजरंदाज किया है। इसमें आरोप लगाया गया है, श्सिक्किम में लोगों के आप्रवासन के जरिए आखिरकार सिक्किम संसद पर नियंत्रण कर लिया गया और भारत ने उसे हड़प कर अपने राज्यों में से एक बना लिया।

चीन से लंबा है भारत के टकराव का इतिहास

1. 7 अक्टूबर 1950 : ल्हासा पर कब्जे के लिए चीन ने तिब्बत की सीमा लांघी।
2. 23 जनवरी 1959 : चाऊ इन लाई ने पहली बार लद्दाख और नेफा के करीब 40 हजार वर्ग मील भारतीय क्षेत्र पर दावा ठोका।
3. 3 अप्रैल 1959 : तिब्बत के आध्यात्मिक गुरू दलाई लामा को शरण देने से भारत पर भड़का चीन।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

4. 8 सितंबर 1959 : भूटान और सिक्किम के करीब 50 हजार वर्ग मील क्षेत्र पर अपना दावा ठोका।
5. जनवरी 1961 : भारत-चीन सीमा के पश्चिम सेक्टर में 12000 वर्ग मील भूमि पर अवैध कब्जा किया।
6. 15 नवंबर 1962 : तवांग और वालोंग पर हमला कर बोमडिला पर किया अवैध कब्जा।
7. 30 नवंबर 1965 : उत्तरी सिक्किम और नेफा में चीन ने की घुसपैठ।

भारतवंशी को मिली नियामक विभाग की कमान

भारतीय मूल की अमेरिकी वकील नेओमी राव को ह्वाइट हाउस के सूचना एवं नियामक मामलों का विभागीय प्रमुख बनाया गया है। सीनेट ने 41 के बदले 54 वोटों से उनके चुने जाने की घोषणा की। **44 वर्षीय राव सुप्रीम कोर्ट के जज क्लेरेंस थॉमस** के साथ भी काम कर चुकी हैं। उनके नाम पर ऐसे समय में सहमति बनी है, जबकि सीनेट बंटा हुआ है और विपक्षी डेमोक्रेट कई नियुक्तियों को रोक चुके हैं।

क्या है

1. उनकी नियुक्ति का कई अमेरिकी सांसदों ने स्वागत किया है। सीनेटर ओरिन हैच ने कहा, **अनावश्यक लाल फीताशाही को खत्म करने और अर्थव्यवस्था को गति देने** के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वादे को पूरा करने में राव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगीं।श
2. **हैच सीनेट ज्यूडिशियरी कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हैं।** सीनेट की **होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंटल अफेयर्स कमेटी के प्रमुख सीनेटर रॉन जॉनसन ने भी राव की नियुक्ति की प्रशंसा की।**
3. जॉनसन ने कहा, 'हम सब इस बात पर सहमत हैं कि संघीय नियमों को देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार प्रदाताओं पर बिना अतिरिक्त बोझ डाले अपने लक्ष्य तक पहुंचना चाहिए। इस दिशा में हम राव के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं।'

पेंसिल से बना गांधीजी का चित्र नीलाम

पेंसिल से बना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का एक चित्र अपनी अनुमानित कीमत से करीब चार गुना अधिक 32,500 पाउंड (करीब 27,04,148 रुपये) में नीलाम हुआ है। यह चित्र **गांधीजी के जीवन काल में 1931 में बनाया गया था।** इसमें गांधीजी को फर्श पर बैठकर तल्लीनता से कुछ लिखते दिखाया गया है। चित्र के नीचे लिखा है, 'सत्य ही ईश्वर है/ एमके गांधी/ 4.12.31'। माना जा रहा था कि **यह चित्र 6.72 लाख से 10.09 लाख रुपये के बीच नीलाम हो सकता है।** चित्र को तब बनाया गया था, जब गांधीजी लंदन में गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने आए थे। इसे **चित्रकार जॉन हेनरी एम्शवित्ज ने बनाया था।**

क्या है

1. **सूथबे नीलामीघर में इस चित्र के अलावा गांधीजी के हस्त-लिखित पत्रों के संग्रह की भी नीलामी हुई।** ये पत्र उन्होंने सुभाष चंद्र बोस के बड़े भाई और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शरत चंद्र बोस के परिवार को लिखे थे।
2. इनमें से एक पत्र गांधीजी ने अपनी हत्या के महीने भर पहले लिखा था, जिसमें उन्होंने बंगाल विभाजन पर टिप्पणी की है। ये पत्र 37,500 पाउंड (करीब 31 लाख रुपये) में बिके, जबकि इनके 10.09 लाख से 15.14 लाख रुपये में नीलाम होने की उम्मीद थी।
3. नीलामी घर की ओर से जारी बयान में कहा गया है, **'गांधीजी आमतौर पर तस्वीरें खिंचवाने के लिए बैठने से इन्कार कर देते थे।** ऐसे में इस राजनेता का काम करते समय बनाया गया यह चित्र अनोखा है।'

भारत विश्व के सबसे बड़े थियेटर ओलंपिक्स की मेजबानी करेगा

संस्कृति और पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा ने **भारत द्वारा फरवरी 2017- अप्रैल 08, 2018 तक विश्व के सबसे बड़े थियेटर समारोह 8वें थियेटर ओलंपिक्स की मेजबानी की घोषणा की।** यह थियेटर कार्निवल देश के विभिन्न भागों में एक साथ होगा। डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि कार्निवल में **विश्व के 500 नाटक और 700 एंबीयेंस प्रदर्शन होंगे।** इसके अतिरिक्त प्रदर्शनियां, सेमीनार, गोष्टियां, सक्रिय संवाद तथा शिक्षाविदों, लेखकों, अभिनेताओं, डिजाइनरों तथा निर्देशकों के साथ कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्व नाट्य मंच की

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

प्रमुख हस्तियां इसमें भाग लेंगी। इस अवसर पर एनएसडी सोसाइटी के अध्यक्ष श्री रतन थियम और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के निदेशक प्रो. वामन केंद्रे उपस्थित थे।

क्या है

1. भारत को विश्व थियेटर के मानचित्र पर सबसे ऊपर रखने के लिए देश प्रसिद्ध थियेटर ओलंपिक्स के अगले संस्करण की मेजबानी के लिए तैयार है। **1993 में स्थापित थियेटर ओलंपिक अग्रणी राष्ट्रीय थियेटर समारोह है** और इसमें जाने-माने थियेटर कर्मियों की बेहतरीन कृतियों को प्रस्तुत किया जाता है।
2. **भारत में पहली बार आयोजित होने वाले थियेटर ओलंपिक का आयोजन संस्कृति मंत्रालय का राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय कर रहा है।** विश्व का सबसे बड़ा यह थियेटर समारोह 17 फरवरी से 8 अप्रैल, 2018 तक भारत के 15 शहरों में एक साथ आयोजित किया जाएगा।
3. नई दिल्ली में थियेटर ओलंपिक के भव्य उद्घाटन समारोह के आयोजन की घोषणा भी की गई। इस समारोह में सैंकड़ों कलाकार अपनी कला दिखाएंगे। समापन समारोह मुम्बई में होगा।
4. **थियेटर ओलंपिक 2018 8वां संस्करण है** और इसमें अधिक से अधिक संख्या में अंतर्राष्ट्रीय थियेटरों को दिखाया जाएगा। इसमें प्रदर्शनियां, सेमीनार, गोष्टियां, सक्रिय संवाद तथा शिक्षाविदों, लेखकों, अभिनेताओं, डिजाइनरों तथा निर्देशकों के साथ कार्यशाला जैसे एंबीयेंस प्रदर्शन होंगे।
5. **थियेटर ओलंपिक्स की स्थापना यूनान के डेल्फी में 1993 में पहले अंतर्राष्ट्रीय थियेटर समारोह के रूप में हुई थी।** 'क्रोसिंग मिलेनिया' शीर्षक इस पहल का उद्देश्य वर्तमान और भविष्य के साथ अतीत की संस्कृति को जोड़ना, थियेटर की समृद्ध और विविध विरासत को एक साथ लाना और समकालीन शोध है।

अंटार्कटिका से बड़ा हिमखंड टूटा

वैज्ञानिकों ने कहा कि **करीब एक खरब टन का हिमशैल (अब तक के दर्ज आंकड़ों में सबसे बड़ा)** कई महीनों के पूर्वानुमान के बाद अंटार्कटिका से टूटकर अलग हो गया है और अब **दक्षिणी ध्रुव के आसपास जहाजों** के लिये गंभीर खतरा बन सकता है। इसके टूटने से अंटार्कटिक प्रायद्वीप का परिदृश्य हमेशा के लिये बदल गया है।

क्या है

1. **लार्सन सी बर्फ की चट्टान से टूटकर अलग हुए हिमखंड का आकार 5 हजार 800 वर्ग किलोमीटर है, जो भारत की राजधानी दिल्ली के आकार से 4 गुना बड़ा है।** गोवा के आकार से डेढ़ गुना बड़ा और अमेरिका के न्यू यॉर्क शहर से 7 गुना बड़ा है।
2. **अंटार्कटिका से हमेशा हिमशैल अलग होते रहते हैं** लेकिन यह क्योंकि खास तौर पर बड़ा है ऐसे में महासागर में जाने के इसके रास्ते पर निगरानी की जरूरत है क्योंकि यह नौवहन यातायात के लिये मुश्किलें पैदा कर सकता है। वैज्ञानिकों की मानें तो इस हिमखंड के अलग हो जाने से वैश्विक समुद्री स्तर में 10 सेंटीमीटर की वृद्धि हो जाएगी।
3. सालों से पश्चिमी अंटार्कटिक हिम चट्टान में बढ़ती दरार को देख रहे शोधकताओं ने कहा कि यह घटना 10 जुलाई से लेकर आज के बीच किसी समय हुई है। **इस हिमशैल को ए68 नाम दिये जाने की संभावना है** और यह एक खरब टन से ज्यादा वजनी है। इसका विस्तार सबसे बड़ी लहरों में से एक लेक इरी के विस्तार से दो गुना है।
4. वैज्ञानिकों के मुताबिक समुद्र स्तर पर इस हिमखंड के अलग होने से तत्काल असर नहीं आएगा लेकिन यह **लार्सेन सी हिमचट्टान के फैलाव को 12 प्रतिशत तक कम कर देगा।** लार्सेन ए और लार्सेन बी हिमचट्टान साल 1995 और 2002 में ही ढहकर खत्म हो चुके हैं।
5. वैज्ञानिकों ने इस हिमखंड के अलग होने के पीछे कार्बन उत्सर्जन को सबसे बड़ी वजह बताया है। उनके मुताबिक **कार्बन उत्सर्जन से वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी हो रही है** जिससे ग्लेशियर जल्दी पिघलते जा रहे हैं।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

भारत पर क्या होगा असर?

1. समुद्री स्तर में बढ़ोतरी होने से **अंडमान और निकोबार के कई टापू और बंगाल की खाड़ी में सुंदरबन के हिस्से डूब सकते हैं।** हालांकि, अरब सागर की तरफ इसका असर कम होगा लेकिन यह लंबे समय में दिखेगा। भारत की **7 हजार 500 किलोमीट लंबी तटीय रेखा को इससे खतरा है।**
2. पेरिस (एजेंसी)। वैज्ञानिकों ने पश्चिमी अंटार्कटिका में एक खरब टन के एक आइसबर्ग टूटने का खुलासा किया है। **इसका कुल हिस्सा 5,800 वर्ग किमी है** और यह आकार में लंदन से चार गुना बड़ा है। उनका कहना है कि यह अब तक का सबसे बड़ा आइसबर्ग (हिमशिला) टूटकर अलग हुआ है।
3. वैज्ञानिकों को आशंका है कि इससे **दक्षिणी ध्रुव में जहाजों के परिवहन पर असर पड़ सकता है।** अमेरिका की एक सैटेलाइट ने बुधवार को लार्सन सी आइस शेल्फ के ऊपर से गुजरते हुए आइसबर्ग की तस्वीर ली जिससे खुलासा हुआ। संभवत: यह घटना **10 जुलाई से 12 जुलाई के बीच हुई। इसका नाम अब ए68 रखा जा सकता है।**

200 किमी लंबी थी दरार

1. लार्सन में कई वर्षों से दरार देखी जा रही थी। हालांकि कुछ समय **पहले तक लार्सन सी और आइसबर्ग के बीच 200 किमी लंबी दरार देखी गई थी।** वैज्ञानिकों ने बताया कि आइसबर्ग महज पांच किमी की बर्फ से बड़े हिस्से जुड़ा था। आइसबर्ग के अलग होने के साथ लार्सन सी का कुल आकार 12 फीसदी तक कम हो गया।
2. अब तक के 10 बड़े आइसबर्ग में शामिल ए68 को अब तक के 10 सबसे बड़े आइसबर्ग में से एक माना जा रहा है। इससे पहले, 2000 में अंटार्कटिका में बी-15 आइसबर्ग रोस आइस शेल्फ से अलग हो गया था। यह 295 किमी लंबा था और 37 किमी चौड़ा था। बाद में **यह बी-15ए के रूप में कई छोटे आइसबर्ग में बंट गया।**

दुनिया की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला भारतीय

आस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए मैच में भले ही टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन इस मैच के साथ **भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने आईसीसी महिला विश्व कप मैच में अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज कर लिया है।** वह वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला बल्लेबाज बन गई हैं। इस मामले में उन्होंने **इंग्लैंड की बल्लेबाज चार्लोट एडवर्ड्स को पछाड़ा,** जिनके नाम 5,992 रन दर्ज थे। मिताली ने यहां खेले जा रहे **विश्व कप मैच की पहली पारी के 29वें ओवर की चौथी गेंद पर एक रन लेते ही यह ऐतिहासिक जीत हासिल की।**

क्या है

1. **इस मैच से पहले वह इस मुकाम से 34 रन दूर थीं।**
2. **यह मिताली का 183वां मैच और 164वीं पारी है। इस मैच में उन्होंने 114 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 69 रनों की पारी खेली।**
3. उनके नाम अभी तक 51.52 की औसत से 6,028 रन दर्ज हैं।
4. वनडे में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 114 है। उनके हिस्से पांच शतक और 49 अर्धशतक हैं।

देश का पहला 'लेडीज स्पेशल' रेलवे स्टेशन

महिलाओं को सशक्त बनाने की ओर एक कदम और बढ़ाते हुए **मध्य रेलवे ने उपनगर माटुंगा को देश का पहला 'लेडीज स्पेशल' स्टेशन बना दिया है।** यानी **यहां पर सिर्फ महिला कर्मचारी ही तैनात हैं।** एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, महिलाएं इस स्टेशन पर पिछले दो सप्ताह से अपनी सेवाएं दी रहीं हैं। **स्टेशन पर कुल 30 महिला कर्मचारी तैनात हैं।** इनमें 11 बुकिंग क्लर्क के पद पर, जबकि पांच आरपीएफ कर्मी और सात टिकट कलक्टर (टीसी) हैं।

क्या है

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

1. **ये सभी स्टेशन प्रबंधक ममता कुलकर्णी की देखरेख में दो हफ्ते से चौबीसों घंटे रेलवे स्टेशन के सभी परिचालनों को संभाल रही हैं।**
2. खास यह है कि ममता ने जब **1992 में मध्य रेलवे में नौकरी** शुरू की थी, तब वह मुंबई डिवीजन के किसी रेलवे स्टेशन कीपहली पहली महिला स्टेशन मास्टर थीं।
3. लेडीज स्पेशल स्टेशन की प्रबंधक होने का गौरव प्राप्त करने वाली ममता का कहना है, 'हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा या कह सकते हैं कि कुछ जादुई सा रहा।
4. रेलवे के साथ 25 वर्षों के अपने कॅरियर में मैंने कभी भी सभी महिला कर्मचारियों के साथ काम करने की नहीं सोची थी। शुरू में भले ही हमें कुछ परेशानी हुई, लेकिन अब नौकरी की जिम्मेदारी के रूप में हम आगे बढ़ रहे हैं। हम एक परिवार की तरह काम कर रहे हैं। जिम्मेदारी और सहयोग की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

ओबोर प्रोजेक्ट को भारत यूं करेगा ध्वस्त

चीनी हुक्मरान एक तरफ भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों की वकालत करते हैं, तो दूसरी तरफ वो धमकी भी देते हैं। **'वन बेल्ट, वन रोड' के जरिए दुनिया में चीन अपने दबदबे को और मजबूत करने की फिराक में है।** लेकिन भारत की कामयाबी उसे पसंद नहीं आती। एक तरफ चीन क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को स्थापित करने की कोशिश करता है, तो उसे ये बात नागवार लगती है कि भारत ठीक उसके नक्शेकदम पर चलने की कोशिश क्यों कर रहा है। हाल ही में **चीन ने डोकलाम के मुद्दे पर भारत से लड़ाई करने की धमकी तक दी।** लेकिन भारत ने चीन को स्पष्ट संदेशा दिया कि वो डरने वाला नहीं है। इन सबके बीच चीन की धार को कुंद करने के लिए भारत ने भी अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को एक नई ऊंचाई पर ले जाने का फैसला किया है। **चीन के खिलाफ भारत के इस हथियार का नाम है सासेक (SASEC)**

सासेक परियोजना

1. भारत ने कई वर्ष पहले **भूटान, नेपाल, बांग्लादेश व म्यांमार को जोड़ने के लिए सासेक (साउथ एशियन सब रिजनल इकोनॉमिक को-ऑपरेशन) कॉरिडोर शुरू किया था।**
2. इसके तहत **मणिपुर के इम्फाल-मोरेह (म्यांमार) को जोड़ने की** सड़क परियोजना को 1630.29 करोड़ रुपये और दिए गए हैं। इस मार्ग को **पूर्वी एशियाई बाजार के लिए भारत का प्रवेश द्वार माना जाता है।**
3. भारत की योजना इस मार्ग के जरिये न सिर्फ पूर्वी एशियाई बाजारों को पूर्वोत्तर राज्यों को जोड़ने की है, बल्कि वह यह भी दिखाना चाहता है कि क्षेत्रीय **कनेक्टिविटी की अवधारणा को वह स्वीकारता है।**
4. **इंफाल-मोरेह मार्ग के निर्माण के साथ ही बैंकाक तक पहुंचने के लिए भारत को एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हो जाएगा।** सासेक देशों के बीच बेहतर संपर्क मार्गों से न केवल पड़ोसी देश मजबूत होंगे, बल्कि भारत भी विकास के रास्ते पर और तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

सासेक का इतिहास

1. **रोड कनेक्टिविटी और व्यापार की दृष्टि से दक्षिण एशिया के देश दुनिया में सबसे ज्यादा पीछे हैं। 2010 के आंकड़ों के मुताबिक इन देशों के बीच क्षेत्रीय व्यापार महज 4.3 फीसद है।** इसके पीछे सबसे बड़ी वजह ये है कि इन देशों के बीच परिवहन सुविधा की कमी के साथ-साथ ये देश पूर्वधारणाओं पर एक दूसरे से संबंध स्थापित करने में परहेज करते रहे हैं। आपसी तालमेल की कमी की वजह से पड़ोसी मुल्क होते हुए भी ये देश हमेशा एक-दूसरे से दूर रहे। 21वीं सदी की शुरुआत में इस बात की जरूरत महसूस की गई कि वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर सहयोग जरूरी है।
2. **सार्क देशों में शामिल बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल ने 1996 में साउथ एशियन ग्रोथ क्वाड्रएंगल (SAGQ) की स्थापना की।**
3. इसका मकसद **पर्यावरण, ऊर्जा, व्यापार को बढ़ावा देना था। सार्क ने एसएजीक्यू को 1997 में औपचारिक मान्यता दे दी।** एसएजीक्यू में शामिल चारों देशों ने मनीला स्थित एशियन डेवलपमेंट बैंक से क्षेत्रीय स्तर पर आर्थिक मजबूती के लिए मदद की अपील की।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

4. **चार साल बाद 2001 में सासेक का गठन हुआ।** 2014 में मालदीव और श्रीलंका को सदस्य बनाया गया। **इसके बाद 2017 में म्यांमार सासेक का सदस्य बना।**

सासेक की प्राथमिकता

1. **ऊर्जा के क्षेत्र में दक्षिण एशियाई देशों में काफी संभावनाएं हैं,** लेकिन आपसी तालमेल की कमी की वजह से इन देशों के ज्यादातर इलाके अंधेरे में रहते हैं।
2. संसाधनों की उपलब्धता के मद्देनजर जहां **भारत में कोयले का विशाल भंडार है,** वहीं गैस के मामले में बांग्लादेश, हाइड्रोपावर के मामले में भूटान और नेपाल संपन्न हैं।
3. सासेक के देश यातायात, व्यापार सहयोग, ऊर्जा और इकॉनमिक कॉरिडोर डेवलपमेंट के जरिए विश्वपटल पर एक शक्तिशाली क्षेत्रीय संगठन के रूप में अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकते हैं।

यूपी विधानसभा में मिला विस्फोटक

उत्तर प्रदेश विधानसभा में 12 जुलाई को जांच के दौरान पाए गए पदार्थ की पुष्टि 14 जुलाई को फॉरेंसिक जांच के बाद विस्फोटक के रूप में हुई। यह विस्फोटक विधानसभा में नेता विपक्ष की कुर्सी के करीब 50 मीटर की दूरी पर बरामद हुआ है। यह विस्फोटक कितना घातक है, इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि इसकी महज सौ ग्राम की मात्रा किसी कार के परखच्चे उड़ाने के लिए काफी होती है, जबकि विधानसभा में 150 ग्राम विस्फोटक बरामद हुआ। इसका वैज्ञानिक नाम पेनाटेरीथ्रीटोल टेट्रानाइट्रेट या पीईटीएन (Pentaerythritol tetranitrate) है। जर्मन भाषा में इसको नेट्रोपेंटा भी कहा जाता है। इसके अलावा भी इसको Pent, Penta, Ten, Corpent, Penthrite के नाम से जाना जाता है।

क्या है

1. **वर्ष 2011 में दिल्ली हाईकोर्ट के गेट पर हुए धमाके में भी इसका ही इस्तेमाल किया गया था।** इसमें ग्यारह लोगों की मौत हुई थी। इसको आतंकियों का सबसे पसंदीदा हथियार माना जाता है। यह एक प्लास्टिक एक्सप्लोसिव है और इसमें आरडीएक्स भी शामिल होता है, जिसकी वजह से यह सबसे घातक विस्फोटकों में गिना जाता है।
2. ब्लैक मार्किट में मिलने वाला **यह एक्सप्लोसिव सफेद रंग का महीन पाउडर होता है।** खास बात यह भी है कि इसको मैटल डिटेक्टर से नहीं पकड़ा जा सकता है। इसको पकड़ पाना और इसकी पहचान कर पाना काफी मुश्किल होता है। यहां तक कि **एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी के तमाम इंतजाम होने के बाद भी इसको पहचान पाना बेहद मुश्किल होता है।**
3. कई देशों में इसको लेकर कड़े नियम हैं और इसकी खरीद-फरोख्त पूरी तरह से मना है। इसका इस्तेमाल सेनाओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बमों आदि में किया जाता है। इसके अलावा खदानों में इसका इस्तेमाल विस्फोट करने के लिए किया जाता है। इसको डेटोनेटर के माध्यम से विस्फोट कर उड़ाया जाता है।
4. यह एक ऐसा घातक विस्फोटक है **जो शॉकवेव और हीटवेव तक जनरेट कर सकता** है। इसका इस्तेमाल 2001 में अमेरिकन एयरलाइंस को उड़ाने के मकसद से किया गया था। हालांकि वक्त रहते इसको पहचान लिया गया था।

भारतीय सरकार इस वैश्विक सूची में बनी नंबर वन

जब बात देश के विकास की हो तो सबसे जरूरी होता है देश के नागरिकों द्वारा अपनी सरकार पर भरोसा। क्योंकि कोई भी फैसला, चाहे वो किसी भी क्षेत्र से संबंधित हो उसे तब तक धरातल पर नहीं लाया जा सकता जब तक सरकार पर देश के नागरिकों का भरोसा ना हो। नागरिकों के भरोसे की बदौलत ही सरकार प्रभावी ढंग से अपनी नीतियों को लागू करने में सफल हो पाती है। **इसी भरोसे को लेकर प्रतिष्ठित वैश्विक पत्रिका फोर्ब्स में एक रिपोर्ट छपी है जिससे यह पता चलता है कि भारतीय अपनी सरकार पर कितना भरोसा करते हैं।**

क्या है

1. फोर्ब्स मैगजीन में छपे **ओईसीडी के सर्वे के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा 75 प्रतिशत भारतीय अपनी सरकार और उसकी नीतियों पर भरोसा करते हैं।**

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

2. **गवर्नमेंट एट ग्लांस 2017 नाम की सर्वे रिपोर्ट** में बताया गया है पिछले कुछ सालों में अलग-अलग देशों की सरकारों में जनता का भरोसा बदलता रहा है।
3. **इस लिस्ट में कुल 15 देशों को जगह दी गई है।** जहां ग्रीस सबसे कम 13 प्रतिशत के साथ नीचे है वहीं भारत 75 प्रतिशत के साथ ऊपर है। **भारत के बाद कनाडा, तुर्की और रूस का नाम है।**
4. दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र कहलाने वाले **अमेरिका को इस सूची में 10वें नंबर पर रखा गया है।** यहां सिर्फ 30 फीसदी लोगों को अपनी सरकार पर भरोसा है।
5. सर्वे के अनुसार **ग्रीस में यूरोप के माइग्रेशन क्राइसिस, एक से ज्यादा चुनाव और बैंकों के बंद होने के चलते केवल 13 प्रतिशत लोग सरकार पर भरोसा करते हैं**वहीं घोटालों और राष्ट्रपति चुनाव में रूसी हैकिंग की खबरों के चलते महज 30 प्रतिशत लोगों को अमेरिकी सरकार पर भरोसा हुआ।
6. ब्रेक्जिट से गुजर रहे यूके की 41 प्रतिशत जनता को अपनी सरकार पर भरोसा था वहीं रूस और तुर्की के 58 प्रतिशत लोगों ने अपनी सरकार पर भरोसा जताया। इन सब में **73 प्रतिशत भरातीयों के भरोसे के साथ भारत सबसे ऊपर है।** यह सभी आंकड़े 2016 के हैं।

11 साल की शानदार उड़ान

ऑनलाइन न्यूज और माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट **ट्विटर 11 साल पहले आज यानी 15 जुलाई को ही लॉन्च हुई थी।** इसने लोगों को उनके विचार और तस्वीरें दुनिया से साझा करने का मंच प्रदान किया। ट्विटर के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी **जैक डोर्से ने ही इस पर पहला ट्वीट 'जस्ट सेटिंग अप माई ट्विटर' किया था।** आज यह दुनियाभर में रायशुमारी का एक प्रभावी मंच साबित हो रहा है।

क्या है

1. **ट्विटर को जैक डोर्से** ने अपने अमेरिकी साथियों इवान विलियम्स, बिज स्टोन और नोआ ग्लास के साथ बनाया था। **सह-संस्थापक जैक डोर्से न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में स्नातक के छात्र थे।**
2. वह ऐसी वेबसाइट बनाना चाहते थे, जिसके जरिये लोग आपस में जुड़ सकें। **ट्विटर का मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को में है।**
3. ट्विटर शब्द चिड़ियों के चहचहाने से लिया गया है। **इसका नाम पहले** TWTTR **रखा गया था।** दरअसल उस समय इंटरनेट पर twitter.com नामक डोमेन उपलब्ध नहीं था। शुरुआत में यह सेवा ओडियो नामक कंपनी के लिए शुरू की गई थी। कुछ महीने बाद डोमेन नेम उपलब्ध होने पर टीडब्ल्यूटीटीआर को ट्विटर डॉट कॉम में बदल दिया गया।
4. पत्रकारिता यानि खबरें दुनियाभर के लोगों को ताजा तरीन घटनाओं से रूबरू रखने का माध्यम है। लेकिन ट्विटर ने पत्रकारिता का स्वरूप ही बदलकर रख दिया है। आज किसी भी माध्यम की पत्रकारिता से ज्यादा तेज घटनाओं की जानकारी ट्विटर पर पहुंचती है।
5. **हैशटैग जर्नलिज्म शुरू करने का श्रेय भी ट्विटर को ही जाता है।** ट्विटर जहां पत्रकारिता के पारंपरिक साधनों से तेज है, वहीं उनके लिए वरदान भी साबित हो रहा है। तमाम मीडिया चौनल, अखबार और वेसबाइट ट्विटर के माध्यम से ही अपने पाठकों, दर्शकों और उपयोगकर्ताओं को ताजा घटना से अवगत कराते रहते हैं।
6. **मई, 2009 में अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री माइकल मैसिमिनो ने अंतरिक्ष में पहली बार ट्विटर का परोक्ष रूप से प्रयोग किया**। वह अपना संदेश जॉनसन स्पेस सेंटर भेजते थे, फिर वहां से उसे ट्विटर पर डाला जाता था।
7. 22 जनवरी, 2010 को पहली बार अंतरिक्ष से ट्विटर पर सीधा ट्वीट अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री टिमॉथी क्रीमर ने किया था।
8. छह मई, 2011 को एवरेस्ट से ब्रिटिश पर्वतारोही केंटन कूल ने ट्वीट किया था। वह 8,848 मीटर की ऊंचाई पर थे।
9. आठ नवंबर, 2016 को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से संबंधित चार करोड़ ट्वीट हुए। इनमें से कई ब्रेकिंग न्यूज थे।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**

वैश्विक औसत से अधिक आलसी हैं भारतीय

नेचर जर्नल में छपी रिपोर्ट और शोध के परिणामों के मुताबिक **भारतीय वैश्विक औसत से अधिक आलसी होते हैं।** दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले सात लाख से अधिक लोगों के स्मार्टफोन से जुटाए गए आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर ये नतीजा निकाला गया। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के ताजा शोध के मुताबिक भारतीय वैश्विक औसत से अधिक आलसी हैं। **भारतीय रोजाना वैश्विक औसत से भी कम चलते हैं। वहीं सबसे कम आलसी हांगकांग के लोग और सबसे अधिक आलसी इंडोनेशिया के लोग हैं।** यह शोध लोगों के स्मार्टफोन में मौजूद अर्गस नामक ऐप से प्राप्त डाटा की मदद से किया गया है। नेचर जर्नल द्वारा किए गए शोध को इस विषय का सबसे बड़ा शोध बताया जा रहा है।

कुछ खास बातें

1. 46 देशों को शोध में शामिल किया गया।
2. पूरी दुनिया में 7 लाख लोगों पर किया गया रिसर्च ।
3. 46 देशों की सूची में भारत का 39वां स्थान ।
4. रोजाना चले कदमों का वैश्विक औसत 4,961 यानि चार किमी।
5. भारतीयों द्वारा रोजाना चले औसत कदम 4,297।
6. ब्रिटेन के लोग 5,444 कदम चलते हैं।
7. अमेरिका के लोग 4,777 कदम चलते हैं।
8. कनाडा, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया वैश्विक औसत से पीछे रह

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(DIBRUGARH)** 7086708270, **www.ksgindia.com**